RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 114 , रविवार, 07 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मेगा कृषि ऋण जनसंपर्क शिविर में 51 करोड़ रुपये के ऋण... 03

शिवहर की नन्ही भव्या को मिला नया परिवार, बेंगलुरु के दंपत्ति ने लिया गोद 04

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी बंटवारे के दर्द में तड़पता दिखा... 07

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में 10 घंटे में जुड़ गए 10 लाख लोग

- बीजेपी छोड़ते ही अन्नामलाई को मिला जबरदस्त समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने पार्टी छोड़ने के बाद नया राजनीतिक आंदोलन शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके इस आंदोलन को खूब समर्थन मिल रहा है। 10 घंटे के अंदर ही कम से कम 10 लाख लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं।

- **आंदोलन से पार्टी की ओर बढ़ाए कदम–** पार्टी से इस्तीफा देने के बाद अन्नामलाई ने कहा कि यह आंदोलन एक राजनीतिक दल का रूप लेगा और आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगा। एक डिजिटल प्लेटफॉर्म वेथेलीडरडॉटओआरजी लॉन्च करने के बाद कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस पहल से जुड़ने और योगदान देने के लिए स्वयंसेवकों को आमंत्रित किया।

बता दें कि अन्नामलाई ने शुक्रवार को ही बीजेपी को ही बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद अपना नया अभियान शुरू किया था। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे राजनीतिक आंदोलन को बड़ा समर्थन मिलरहा है और 10 घंटे में ही कम से कम 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इससे साबित होता है कि लोग हमारे इस अभियान और दृष्टिकोम से इत्तेफाक रखते हैं।

भारत कभी किसी देश के दबाव के आगे नहीं झुका

- राष्ट्रपति पुतिन का ट्रंप को संदेश, चीन की भी तारीफ

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन दिनों लगातार भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना कर रहे हैं। अमेरिकी दबाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप को सीधा और कड़ा संदेश देते हुए पुतिन ने लगातार दूसरे दिन कहा है कि भारत ने अपने इतिहास में कभी भी किसी विदेशी ताकत के हुक्म या दबाव को स्वीकार नहीं किया है। रूसी राष्ट्रपति ने यह बात सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के एक मुख्य सत्र में कही है। पुतिन ने जोर देकर कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता और उसके स्वतंत्र फैसले लेने के अधिकार को कभी चुनौती नहीं दी जा सकती। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन ने भारत और चीन की जमकर तारीफ की है।

- **तेल खरीद और अमेरिकी टैरिफ का विवाद–** भारत हमेशा से अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर गर्व करता रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी दबाव बनाया था। अमेरिका का दावा था कि तेल से मिलने वाले राजस्व का इस्तेमाल मॉस्को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। इस विवाद के चलते अमेरिका ने दंडात्मक कार्रवाई करते हुए भारत पर आयात शुल्क को दोगुना कर 50 फीसदी कर दिया था, हालांकि इस साल इसे घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है।

तीन राज्यों को पार कर गोवा पहुंचा मानसून

- एमपी और छत्तीसगढ़ में देर से पहुंचने का जताया अनुमान
- केरल के वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद, ट्रेकिंग पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 दिन की देरी से आने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु को पार कर मानसून गोवा पहुंच गया है। मुंबई में भी इसके जल्द पहुंचने की संभावना है। फिलहाल पणजी, बेंगलुरु, सलेम, पंबन में मानसून के कारण तेज बारिश हो रही है। वहीं, केरलम में आज बारिश का रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है यहां अगले 24 घंटे में 20 सेमी से बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है। वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद रहेंगे। टूरिस्ट ट्रेकिंग स्पॉट पर जाने, पहाड़ी रास्तों पर रात में ट्रैवलिंग और पत्थर निकालने के काम पर रोक लगा दी गई है। आईएमडी के मुताबिक 3 दिन में मानसून असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल और बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। 10 दिन में यह बिहार, झारखंड और ओडिशा में आ सकता है। हालांकि, बाद में मानसून अटक सकता है।

बंगाल की खाड़ी में है एक मजबूत सिस्टम की जरूरत

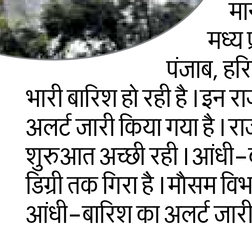

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बंगाल में मानसून को आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक मजबूत सिस्टम की जरूरत होती है, जो फिलहाल मौजूद नहीं है। ऐसे में इन राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री–मानसून ऐक्टिव है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर में भी भारी बारिश हो रही है। इन राज्यों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में प्री–मानसून की शुरुआत अच्छी रही। आंधी–बारिश के कारण तापमान 5 डिग्री तक गिरा है। मौसम विभाग ने शनिवार को 25 जिलों में आंधी–बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

- अभिजीत बोले-शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, नहीं तो फिर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्री शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर

पर फिर प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन करीब 3 बजे ही अभिजीत और सोनम वांगचुक धरनास्थल से रवाना हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे।

1000+ पुलिसकर्मी, दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा

सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी। अभिजीत ने कहा– कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है।

युद्ध संकट के बावजूद यूपी का एक्सपोर्ट रहा ‘बम-बम’

- पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार, लैंडलॉक राज्यों में अव्वल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उत्पादों का निर्यात बढ़ता जा रहा है। दुनिया भर में मंदी के बादल और युद्ध के बावजूद उत्तर प्रदेश का निर्यात पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में नोएडा से सबसे अधिक निर्यात हुआ है। देश में निर्यात के मामले में यूपी 5 वें स्थान पर पहुंच गया है। निर्यात के मामले में उत्तर प्रदेश लैंडलॉक राज्यों में सबसे आगे है। लैंडलॉक राज्य का मतलब वह राज्य है जिसकी सीमा किसी समुद्री क्षेत्र से नहीं सटी है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में यूपी से 2,01,241 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया।

पहली बार 2 लाख करोड़ से अधिक का निर्यात– यह पहली है जब उत्तर प्रदेश का निर्यात 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इसके साथ यूपी देश के 5 बड़े निर्यातक राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

ऐक्शन में पीएम मोदी ऊर्जा संकट पर चर्चा

- पश्चिम एशिया संकट के बीच आर्थिक सलाहकार समिति के साथ की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरे विश्व को ऊर्जा संकट में धकेल दिया है। ऊर्जा के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर रहने वाला हमारा देश भी इस आर्थिक संकट से अछूता नहीं है। ऐसे में इस संकट से निपटने के उपायों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और तमाम संकटों के बीच व्यापार को सुचारु रूप से चलाए रखने के लिए विभिन्न सुधारों पर बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने और बाहरी आर्थिक झटकों से देश को बचाने के ऊपर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य को लेकर भारत की क्या भूमिका हो सकती है और हमारे देश के ऊपर जो आर्थिक प्रभाव पड़ रहे हैं, इनसे कैसे बचा जा सकता है। इसका आंकलन प्रस्तुत किया। बता दें, प्रधानमंत्री की तरफ से आर्थिक सलाहकार समिति की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब पूरी दुनिया समेत भारत भी ऊर्जा आयात को लेकर चिंतित है। होर्मुज पर ईरान और अमेरिका के बीच लड़ाई चल रही है, जिसकी वजह से ऊर्जा संकट बढ़ा हुआ है।

घुसपैठियों को लेकर बांग्लादेश बॉर्डर पर भारी तनाव

- वापस भेजे जा रहे लोगों को देख भड़का बांग्लादेश सुरक्षा बल

बीएसएफ के साथ फ्लैग मीटिंग से किया इनकार, जमकर तनातनी

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने एक-दूसरे पर घुसपैठ कराने और अवैध रूप से लोगों को सीमा पार धकेलने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस तनातनी के बीच सीमा पर स्थित नो-मैन्स लैंड पर बच्चों और महिलाओं सहित दर्जनों लोग फंसे हुए हैं। यह गतिरोध ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने के लिए कई कड़े कदम उठाए हैं। बांग्लादेश के सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर दावा किया कि भारतीय बीएसएफ ने गुरुवार और शुक्रवार के शुरुआती घंटों में कई बार लोगों को बांग्लादेशी क्षेत्र में धकेलने की कोशिश की।

- **बीजीबी का दावा–70 लोगों को रोका–** बीजीबी का दावा है कि उन्होंने जीरो–लाइन पर 70 से अधिक लोगों को बांग्लादेश में प्रवेश करने से रोका है। बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मेहंदी इमाम ने बताया, ये लोग फिलहाल वहीं फंसे हुए हैं और हमारी सेना किसी भी तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए हाई अलर्ट पर है। शुक्रवार सुबह नौगांव में 5 बच्चों सहित 17 लोगों को रोका गया। लालमोनिरहाट के तीन इलाकों रोका है।

दोनों देशों ने पल्ला झाड़ा, फ्लैग मीटिंग से इनकार

बीएसएफ और बीजीबी दोनों ही बलों ने इन 10 लोगों को अपना नागरिक मानने से इनकार कर दिया है, इसलिए वे कड़कड़ाती धूप और असुरक्षित माहौल में सीमा पर फंसे रहने को मजबूर हैं। स्थिति को संभालने के लिए बीएसएफ द्वारा एक फ्लैग मीटिंग बुलाने का प्रयास किया गया था, लेकिन खबरों के मुताबिक बीजीबी ने इस बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। इसके बाद निगरानी बढ़ा दी है।

ईरान ने कुवैत बहरीन पर बोल दिया हमला

- बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से किया धमाका
- अमेरिकी सेना ने मार गिराने का कर दिया दावा

तेहरान/कुवैत सिटी (एजेंसी)। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि शनिवार तड़के ईरान ने कुवैत, बहरीन और होर्मुज़ जलडमरूमध्य की तरफ एक के बाद एक कई बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे जिन्हें अमेरिकी सेना ने बीच में ही इंटरसेप्ट कर लिया। कमांड के मुताबिक शुरुआती जांच से पता चला है कि छह मिसाइलों को रोक दिया गया और सातवीं मिसाइल किसी चीज से टकराने से पहले ही नाकाम हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना की तरफ से होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान ने समुद्री यातायात को बाधित करने के लिए चार ड्रोन हमला किया था जिसे मार गिराया गया और उसके बाद ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ड्रोन को मार गिराने के बाद अमेरिका ने गोरुक और केशम द्वीप पर ईरानी सैन्य रडार साइटों पर हमला किया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजी) ने कहा है कि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के लिए कुवैत और बहरीन की तरफ 7 बैलिस्टिक मिसाइलें और कई ड्रोन दागे गये थे। लेकिन सेंट्रल कमांड ने सभी खतरों को खत्म करने की बात कही है। सीएनएन के मुताबिक यह पूरा टकराव स्टेट ऑफ हॉर्मुज में हुआ जो दुनिया के तेल व्यापार का सबसे मुख्य समुद्री रास्ता है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी की हुई है ताकि वह अपना तेल और सामान बाहर न बेच सके। ईरान के मुताबिक अमेरिकी सेना द्वारा गाइड किए जा रहे चार तेल टैंकर अवैध रूप से इस रास्ते से निकलने की कोशिश कर रहे थे जिसमें से ईरान ने एक को चेतावनी देकर रोक दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार ईरान के आत्मघाती ड्रोनों से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को खतरा था।

शुभेंदु सरकार बनते ही बंगाल में बुलेट ट्रेन का ऐलान

- मात्र छह घंटे में नई दिल्ली से पहुंचा देगी सिलीगुड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पिछले महीने ही पहली बार भाजपा सरकार बनी है। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में चल रही बंगाल सरकार को लेकर बड़े-बड़े ऐलान हो रहे हैं। शनिवार को पश्चिम बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन का उद्देश्य समय में कमी लाना है। ये हाई स्पीड कॉरिडोर सिलीगुड़ी को नई दिल्ली से सिर्फ छह घंटे में जोड़ देगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट बंगाल के लिए प्रस्तावित है। यह दिल्ली से सिलीगुड़ी को वाया लखनऊ, वाराणसी, पटना जोड़ेगा। बुलेट ट्रेन से सिर्फ छह घंटे का ही समय लेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि अगले पांच वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नई पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में डबल इंजन सरकार बनने पर पश्चिम बंगाल की रेलवे परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। राज्य सचिवालय नबान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के केवल 28 किलोमीटर हिस्से का निर्माण 42 वर्षों में पूरा हुआ था, जबकि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किलोमीटर नई लाइन जोड़ी गई हैं।

- **बंगाल सरकार की पहल का वैष्णव ने किया स्वागत–** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच सहयोग से रेलवे अवसंरचना विकास की गति तेज होगी। वैष्णव ने कहा, भूमि अधिग्रहण और विभिन्न मंजूरियों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार का सहयोग हमें परियोजनाओं को कहीं अधिक तेजी से पूरा करने में मदद करेगा। हम रेल संपर्क का विस्तार करने और चल रही परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में पश्चिम बंगाल में चल रही रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा भूमि अधिग्रहण और परियोजनाओं की स्वीकृतियों से संबंधित अड़चनों को दूर करने के उपायों पर चर्चा हुई।

रेलवे परियोजनाओं के लिए जमीन सौंपने की घोषणा

वहीं, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि आने वाले वर्षों में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैठक के बाद जिला अधिकारियों को इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि रेलवे को सौंपने की टाइम टेबल तैयार करने का निर्देश दिया। राज्य की विभिन्न परियोजनाओं पर बैठक से पहले नबान्न सभागार में वैष्णव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य और केंद्र के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, जिससे रेलवे परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन का रास्ता साफ हुआ है। उन्होंने कहा, पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान राज्य और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति थी। इसके कारण बंगाल में रेलवे विकास लगभग ठप हो गया था। सरकार बदलने के साथ ही यह समस्या दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लिए लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं प्रस्तावित हैं और राज्य के प्रत्येक जिले को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में मंत्री संजय सिंह बोले- अस्पताल कर्मियों पर होगी कार्रवाई

हाजीपुर। बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह ने हाजीपुर में बयान दिया है कि मुजफ्फरपुर अस्पताल में हुए अग्निकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना में छह मरीजों की मौत हो गई थी। मंत्री सिंह ने कहा कि अस्पताल कर्मियों द्वारा लापरवाही बरती गई है और इसकी जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि चिराग पासवान के निर्देश पर एक टीम ने अस्पताल का दौरा किया था, जिसमें कई कमियां पाई गईं। संजय सिंह के अनुसार, अस्पताल संचालक की लापरवाही के कारण मरीजों की जान गई है। उन्होंने जोर दिया कि अस्पताल को इसकी भरपाई करनी होगी। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि अस्पताल के कर्मचारी मरीजों को छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए भाग गए, जिससे छह लोगों की मौत हुई। उन्होंने बताया कि अस्पताल के आईसीयू में भी कई खामियां मिली हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि मृतकों के परिवारों को अस्पताल की ओर से अधिकतम मुआवजा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी परिवार ने अस्पताल की गलती के कारण सदस्य खोया है, तो अस्पताल को इसकी क्षतिपूर्ति करनी चाहिए। मंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि अस्पताल की गहन जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों।

बोलेरो से 10 बोरों में शराब बरामद, माइल चौक के पास पुलिस ने की कार्रवाई, चालक फरार

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग की टीम ने एक बोलेरो गाड़ी से भारी मात्रा में शराब जब्त की है। यह कार्रवाई माइल चौक के पास की गई, हालांकि बोलेरो का चालक गाड़ी छोड़कर भागने में सफल रहा। उत्पाद विभाग को हाजीपुर-जंदाहा एनएच 322 से शराब ले जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी शुरू की। छापेमारी के दौरान पुलिस को देखकर एक बोलेरो ऊंचीडीह की ओर तेज रफ्तार से भागी। बाद में यह बोलेरो माइल चौक से हाजीपुर की तरफ मुड़कर भागने लगी। उत्पाद विभाग की टीम ने लगातार पीछा कर बोलेरो को पकड़ लिया। हालांकि, चालक गाड़ी छोड़कर कूदकर भागने में सफल रहा। बोलेरो की तलाशी लेने पर उसमें लगभग 10 बोरों में देसी शराब बरामद हुई। जब्त की गई बोलेरो का नंबर पटना का बताया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि बोलेरो की जांच पड़ताल की जा रही है और चालक और बोलेरो मालिक के विरुद्ध प्राथमिक की दर्द कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बोलेरो को बिदुपुर थाने लाया गया है। पुलिस ने चालक और मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीजेपी विधायक गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट में दोषी करार, राजू सिंह को हिरासत में लेने का आदेश

मुजफ्फरपुर। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुजफ्फरपुर के साहिबगंज से बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह को गैर-इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट के मामले में दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें हिरासत में लेने का आदेश दिए हैं। जबकि कोर्ट ने उनकी पत्नी पत्नी रेनू सिंह, राणा राजेश सिंह और रामेंद्र सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 304 (भाग 2) और आर्म्स एक्ट की धारा-30 के तहत दोषी ठहराया गया है। यह मामला 31 दिसंबर 2018 को न्यू ईयर पार्टी के दौरान हुई फायरिंग से जुड़ा है। दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्थित एक फार्महाउस में जश्न के दौरान हर्ष फायरिंग से डॉ. अर्चना गुप्ता के सिर में गोली लग गई थी। घटना के बाद फतेहपुर बेरी पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई थी। गंभीर रूप से घायल डॉ. अर्चना गुप्ता का इलाज चल रहा था, लेकिन 3 जनवरी 2019 को अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। 9.15 करोड़ रुपए की सालाना आय घोषित करने वाले राजू कुमार सिंह 26 फरवरी 2025 को बिहार सरकार में मंत्री थे। उनका परिवार दवा कारोबार से जुड़ा हुआ है। उनके पिता आनंदपुर खरौनी पंचायत के कई बार मुखिया रह चुके हैं। वहीं, बीजेपी विधायक राजू कुमार स्वयं चार बार अलग-अलग राजनीतिक दलों के टिकट पर विधायक चुने जा चुके हैं। उनकी पत्नी रेणु सिंह भी पूर्वी चंपारण से MLC रह चुकी हैं। राजू सिंह का जन्म 12 जनवरी 1970 को मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र स्थित आनंदपुर खरौनी गांव में हुआ था। उनकी गिनती बिहार के प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ उद्योग और व्यवसाय जगत के प्रमुख लोगों में की जाती है। कारोबारी से उद्योगपति और फिर राजनीति में कदम रखने वाले राजू सिंह पहली बार 2005 में लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के टिकट पर साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। उसी साल लोजपा में टूट होने के बाद उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) का दामन थाम लिया। अक्टूबर 2005 के विधानसभा चुनाव में वे जदयू के टिकट पर फिर साहेबगंज से विधायक निर्वाचित हुए। इसके बाद 2010 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने साहेबगंज सीट से जीत दर्ज कर लगातार दूसरी बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया।

मुजफ्फरपुर अग्निकांड में 7वीं मौत, प्रसाद हॉस्पिटल का लाइसेंस सस्पेंड

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। हादसे में झुलसे अंजनी कुमार सिंह ने शनिवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर के विशनपुर के पर्री गांव के रहने वाले रामपाल सिंह के बेटे अंजनी कुमार सिंह के रूप में हुई है। फिलहाल, उनका पोस्टमार्टम एसकेएमसीएच में जारी है। अहले सुबह करीब 3 बजे पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू में भीषण आग लग गई थी। आग लगते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव

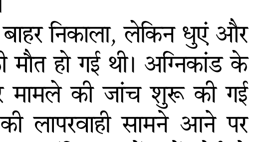

टीमों ने मौके पर पहुंचकर कई मरीजों को बाहर निकाला, लेकिन धुएं और आग की चपेट में आने से छह मरीजों की मौत हो गई थी। अग्निकांड के बाद ब्रह्मपुरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही सामने आने पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। हादसे के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रसाद अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। प्रशासन की ओर से अस्पताल प्रबंधन को निर्धारित समय सीमा दी गई थी। समय सीमा समाप्त होने के बाद रविवार को अस्पताल को सील करने की कार्रवाई की जाएगी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। आग लगने के कारणों, सुरक्षा मानकों में हुई चूक और अस्पताल प्रबंधन की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोविंद हत्याकांड में सीन रीक्रिएट, खून से सना कपड़ा मिला

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के चर्चित शूटर गोविंद शर्मा हत्याकांड में पुलिस की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। अब तक इस मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पहले गोविंद के करीबी ओंकार सिंह को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद गुरुवार को दरभंगा एयरपोर्ट से हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला और एफआईआर में नामजद बाबुल चौधरी गिरफ्तार किया गया। वहीं गुरुवार देर रात पारू थाना क्षेत्र के रहने वाले सौरभ को रक्सौल से दबोच लिया गया। शुक्रवार शाम पुलिस दोनों आरोपियों को लेकर अमर सिनेमा रोड स्थित आइकॉन टावर पहुंची और घटनास्थल पर सीन रीक्रिएट कराया। इस दौरान पूछताछ में हत्या की पूरी साजिश, रेकी और वारदात के बाद आरोपियों के भागने के तरीके का खुलासा हुआ। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि जांच में बाबुल चौधरी इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड निकला है। उसी ने पूरी हत्या की साजिश रची और शूटरों की व्यवस्था की। पुलिस के अनुसार बाबुल खुद गोविंद को गोली मारना चाहता था, लेकिन वारदात के समय मौके पर नहीं पहुंच सका। जांच में सामने आया है कि बाबुल ने गोविंद की हत्या की योजना कई सप्ताह पहले ही बना ली थी। उसने उसी अपार्टमेंट में, जहां गोविंद रहता था, उससे दो मंजिल ऊपर चौथी मंजिल पर कमरा किराए पर लिया था। यहीं पर शूटरों को ठहराया गया था ताकि गोविंद की हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

'फायरिंग मामले में खान सर सरेंडर नहीं करेंगे'

एजेंसी, पटना

ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने बताया, 'खान सर के सरेंडर करने का कोई चांस नहीं है। उन्हें बेल लेने की जरूरत पड़ सकती है। मेरे क्लाइंट की वजह से फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस ने FIR में कुछ भी लिख रखा है। खान सर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि गोली चलाओ में देख लूंगा। जमानत याचिका दायर कर रहे हैं। शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने का वक्त खत्म हो गया था। हम लोग सोमवार को इसे दाखिल करेंगे। खान सर के गाड्र्स प्रदीप और तारकेश्वर की जमानत के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की अदालत में याचिका दाखिल की गई है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी।'

खान सर पर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट में FIR: टीचर पर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पटना पुलिस की 5 गाड़ियां रातभर अलग-अलग वक्त पर खान सर की कोचिंग में पहुंची, लेकिन 24 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई। स्टूडेंट्स

भी रातभर कोचिंग के बाहर बैठे रहे। पुलिस गाड़ी से बार-बार अनाउंस करती रही- 'हट जाइए, लौट जाइए', लेकिन स्टूडेंट्स रातभर डटे रहे। खान सर को जानने वालों का कहना है कि वो कोचिंग के अंदर ही मौजूद हैं। टीचर के गाड्र्स ने पुलिस को बयान दिया- उन्होंने हमें कहा तुम गोली चलाओ, बाकी हम देख लेंगे। इसी आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ BNS की धारा 109 के तहत केस दर्ज किया है। इसमें अग्रिम जमानत भी नहीं मिल सकती है।

पुलिस की छात्रों से अपील- किसी बहकावे में न आएं: शुक्रवार को लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर IG ऑफिस में पुलिस की हाई लेवल मीटिंग हुई। पुलिस ने छात्रों से अपील

❒ वकील बोले- अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे, एफआईआर गलत, उनकी वजह से गोली नहीं चली

की थी कि वो किसी कोचिंग सेंटर के बहकावे में ना आएं। दरअसल, 2 जून की रात पटना स्थित खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना के दौरान उनके बॉडीगाड्र्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था। मामले में पुलिस पहले ही दोनों बॉडीगाड्र्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है। हमले वाले दिन खान सर ने पुलिस की जमकर तारीफ की थी। अब उन्होंने कहा कि पुलिस लेट पहुंची। गाड्र्स के फायरिंग वाले वीडियो पर खान सर ने कहा, मारपीट हो रही थी। मुझे पता था पुलिस को पहुंचने में समय लगेगा। पुलिस वहां उड़कर तो नहीं पहुंचती, इसलिए गाड्र्स ने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की। गार्ड क्यों रखते हैं ताकि समय पड़े तो लोगों को बचा सकें। जब तक पुलिस नहीं आई थी तब तक एक बॉडीगार्ड को क्या करना चाहिए था। क्या गाड्र्स ने किसी पर फायरिंग की।

राबड़ी देवी और तेजस्वी ने अपनी सुरक्षा लौटाई सरकार के सिक्योरिटी घटने पर नाराजगी

एजेंसी, पटना

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार सुबह अपने आवास से सारी सुरक्षा हटा दी। यहां तक की बंगले के बाहर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को भी लौटा दिया है। इसके बाद रोहिणी ने पार्टी नेताओं से राबड़ी आवास पहुंचने की अपील की। कार्यकर्ताओं का राबड़ी आवास पर जुटना शुरू हो गया है। गेट पर एक कार्यकर्ता हाथ में डंडा लिए खड़ा है। जहां कभी पुलिसकर्मी बैठते थे वहां पार्टी के नेता बैठे है। राबड़ी के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी अपनी Y+ श्रेणी की सुरक्षा को वापस कर दिया है।

रोहिणी ने X पर लिखा- तमाम लालूवादियों से मेरी अपील है कि आप सब भारी संख्या में राबड़ी देवी जी के आधिकारिक आवास पहुंचकर बदले की भावना से काम रहे मुख्यमंत्री को ये सीधा , साफ और कड़ा संदेश दें कि आप सब ही लालू परिवार की असली सुरक्षा और ढाल हैं।पूरा देश, पूरा बिहार देख रहा है कि कैसे बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री और उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है और बिहार की जनता ही बदले की भावना से की गई हर कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देगी। दरअसल, 2 दिन पहले बिहार

❒ बंगले के बाहर डंडे लेकर खड़े हुए कार्यकर्ता

सरकार ने लालू परिवार की सुरक्षा घटा दी। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की Z+ श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली थी। सरकार के इस फैसले से राबड़ी देवी नाराज थीं।

राबड़ी देवी जी और उनके परिवार को नुकसान, शारीरिक क्षति पहुंचाने की नीयत से ही ये फैसला लिया गया है। सुरक्षा में कटौती के बाद दिखावे की सुरक्षा रखने का कोई औचित्य ही नहीं है, इसके मद्देनजर ही राबड़ी देवी जी ने अपने आधिकारिक आवास से सुरक्षाकर्मियों को वापस किए जाने का निर्णय लिया है। सम्राट सरकार को ये जान लेना चाहिए कि बिहार की करोड़ों जनता ही लालू, राबड़ी देवी जी और उनके परिवार का सुरक्षा कवच है। परिवार के किसी भी सदस्य को एक खरोच भी आई थी तो अंजाम क्या होगा, इसका अंदाजा शायद बिगड़ैल सम्राट चौधरी और उनकी सरकार को नहीं है।

कुशवाहा के बेटे दीपक का मंत्री पद से हटना तय!

एजेंसी, पटना

RLM नेता और उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश के मंत्री बने रहने पर खतरा मंडराने लगा है। दरअसल बिहार विधान परिषद की 9 सीटों पर होने वाले MLC चुनाव के लिए NDA ने अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। जेडीयू और बीजेपी ने 4-4 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की।

एक सीट पर चिराग पासवान की पार्टी LJP (R) ने अशरफ अंसारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, दीपक प्रकाश का नाम NDA की लिस्ट में नहीं है। इस फैसले ने पूर्व विधान पार्षद हुलास पांडेय की दावेदारी को बड़ा झटका दिया है। NDA कैंडिडेट की लिस्ट आने के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। दीपक प्रकाश

का नाम लिस्ट में नहीं होने पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'ये एक सामान्य प्रक्रिया है, MLC का चुनाव हो रहा है। थोड़ा इंतजार कीजिए।' दीपक, बिहार सरकार में पंचायती राज मंत्री हैं, लेकिन वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। संविधान के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को मंत्री बनने के 6 महीने के अंदर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना अनिवार्य होता है। ऐसा नहीं होने पर उसे मंत्री पद छोड़ना पड़ता है।

बाढ़ में विवाहिता की संदिग्ध मौत, गले पर मिला काला निशान, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के सैदपुर सरकट्टी पंचायत के सीतापुर गांव में राधा कुमारी नामक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने ससुराल वालों पर फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो साल पहले हुई थी शादी: राधा कुमारी की शादी दो साल पहले नालंदा जिले के खरूआर गांव से सीतापुर गांव में हुई थी। उसका एक बच्चा भी है। मायके वालों का कहना है कि राधा के गले पर काला निशान मिला है, जिससे उन्हें संदेह है कि उसकी हत्या फांसी लगाकर की गई है।

रात 10 बजे वीडियो कॉल पर हुई थी बात: मृतका के परिजनों के अनुसार, रात 10 बजे वीडियो कॉल पर राधा से उनकी बात हुई थी। इसके ठीक आधे घंटे बाद, रात 10:30 बजे, ससुराल से फोन आया कि राधा की हालत गंभीर है। रात 11 बजे ग्रामीणों ने फोन कर राधा कुमारी की मौत की सूचना दी।

मृतका के गले पर मिला गले पर काला निशान: राधा की मां गुड़िया देवी ने बताया कि, जब वे

♦ दो साल पहले हुई थी शादी

ससुराल पहुंचे तो उन्होंने राधा के गले पर स्पष्ट काला निशान देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने ही उनकी बेटी की फांसी लगाकर हत्या की है।

पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार: थाना अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि, प्रथम दृष्टया फांसी लगाकर हत्या की बात सामने आई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

आईआईटी पटना से पंजाब रवाना हुए बिहार के युवा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा स्थित आईआईटी पटना परिसर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत 'युवा संगम 6' का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। आईआईटी पटना के छात्रों सहित बिहार के युवा शनिवार को सात दिवसीय पंजाब यात्रा के लिए रवाना हुए। मंत्री संजय कुमार और निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर युवाओं के दल को रवाना किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के मंत्री संजय कुमार और आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह उपस्थित थे। पहली बार आईआईटी पटना पहुंचे गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार को निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह ने अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

आईआईटी रोपड़ के छात्रों ने भी किया था बिहार दौरा: 'युवा संगम 6' के तहत यह दूसरा चरण है। इससे पहले पंजाब के

रोपड़ आईआईटी के छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने बिहार का दौरा किया था। उन्होंने बिहार के इतिहास, संस्कृति और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की थी। अब बिहार के युवा पंजाब की सात दिवसीय यात्रा पर निकले हैं। इस दौरान वे पंजाब के इतिहास, संस्कृति और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे और राज्य के विकास मॉडल को समझने का प्रयास करेंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम एक सराहनीय पहल - संजय कुमार: मंत्री संजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि, 'भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम एक सराहनीय पहल है।

'युवा संगम-6' के तहत सात दिवसीय सांस्कृतिक यात्रा की शुरुआत, मंत्री संजय कुमार ने दिखाई हरी झंडी

उन्होंने पंजाब जा रहे बिहार के युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस यात्रा से उन्हें पंजाब की संस्कृति और इतिहास को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।'

पंजाब और बिहार का पुराना रिश्ता – टीएन सिंह: आईआईटी पटना के निदेशक प्रो टीएन सिंह ने बताया कि, 'युवा संगम 6 को लेकर अब बिहार के युवा पंजाब यात्रा के लिए आज से रवाना होंगे और पंजाब के इतिहास संस्कृति के बारे में जानने का काम करेंगे। क्योंकि पंजाब और बिहार का पुराना रिश्ता रहा है। पंजाब का इतिहास काफी पुराना है। पंजाब बिहार का इतिहास धर्म से भी जुड़ा हुआ है।'

पटना में 358 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त

एजेंसी, पटना

पटना जिले के नदी थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार को फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि थाना क्षेत्र के पक्कीदरगाह के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडिंग कफ सिरप (नशीले सिरप) के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसडीपीओ अवधेश कुमार के मुताबिक, शुक्रवार, 5 जून को नदी थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल पक्कीदरगाह के समीप वाहन चेकिंग कर रहा था। इसी दौरान पक्कीदरगाह पीपा पुल की तरफ से एक टेम्पो (रजिस्ट्रेशन नंबर BR01PQ7456) तेज गति से आता दिखा। पुलिस को देखते ही टेम्पो सवारों ने गाड़ी को भगाकर बंकाघाट स्टेशन की ओर ले जाने

❒ नदी थाना पुलिस ने महिला समेत 3 को दबोचा, मेन नेटवर्क की तलाश जारी

का प्रयास किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और घेराबंदी कर टेम्पो को रोक लिया। तलाशी के दौरान टेम्पो से 100 मिलीलीटर की 358 बोतल (कुल 35.800 लीटर) कोडिंग कफ सिरप बरामद की गई। पुलिस ने मौके से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला भी शामिल हैं।

फुलवारीशरीफ में सुलभ गैस एजेंसी के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ स्थित नोहसा में संचालित सुलभ गैस एजेंसी के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश लगातार दूसरे दिन भी देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने एजेंसी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की और जिला प्रशासन से एजेंसी का लाइसेंस तत्काल रद्द करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी द्वारा समय पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि गैस बुकिंग के बाद सभी औपचारिकताएं पूरी होने और मोबाइल पर डिलीवरी संबंधी संदेश आने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है। उपभोक्ताओं के अनुसार, कई मामलों में उनके मोबाइल पर गैस डिलीवर होने का मैसेज भी भेज दिया जाता है, जबकि वास्तव में उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाता। स्थानीय लोगों ने एजेंसी पर गैस

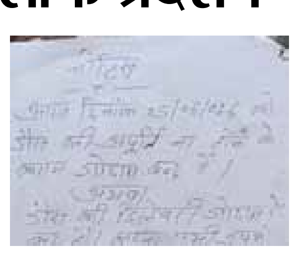

सिलेंडरों की कालाबाजारी करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति करने के बजाय सिलेंडरों को अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल उपभोक्ता उपेंद्र शर्मा ने बताया कि इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा एजेंसी के गोदाम को दो बार सील करने की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके बावजूद एजेंसी के कामकाज में कोई सुधार नहीं हुआ और उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

5 जिलों में आंधी-बारिश, 27 शहरों में अलर्ट, कई शहरों में छाए बादल

एजेंसी, पटना

बिहार में उमस भरी गर्मी के बीच कई जिलों का मौसम शनिवार को बदल गया। सुबह बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, कटिहार और जमुई में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। जमुई में बिजली गिरने से 47 साल के शख्स की मौत हुई है। मुंगेर में भी एक 50 साल के किसान की जान चली गई। किसान की पहचान गणेश यादव के रूप में हुई है। मौसम विभाग ने आग प्रदेश के 12 जिलों में ऑरेंज और 15 में में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 60KMPH की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके अलावा पटना समेत दक्षिण बिहार के 11 जिलों में गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांक, हल्के बादल छाए रह

सकते हैं। तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी होगी।

जमुई में आकाशीय बिजली से एक शख्स की मौत: जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के कोनन इलाके में शुक्रवार देर रात आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान 47 साल के महेंद्र यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

निम्न दबाव और नमी की वजह से बादल मौसम: पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में गर्मी और लू जैसे हालात बने है। पूर्वी बिहार और उत्तर बिहार के कई जिलों में नमी वाली हवा चल रही है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर बने निम्न दबाव और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण बादल बन रहे हैं और बारिश भी हो रही है। वहीं, दक्षिण और पश्चिम बिहार में गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह मानसून से पहले की गतिविधियों का प्रभाव है, जिसके कारण मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है।

बिहार में मानसून कब पहुंचेगा: दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरलम में दस्तक दे दी है। अब यह धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसकी प्रगति सामान्य रही तो अगले एक से दो सप्ताह के भीतर बिहार में भी मानसून की एंट्री हो सकती है। आमतौर पर बिहार में मानसून जून के दूसरे पखवाड़े में सक्रिय होता है।

संक्षिप्त समाचार

आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने चलाया पौधारोपण एवं पौधा वितरण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा मोतिहारी शहर में शनिवार को एक विशेष पौधा वितरण एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहर के व्यस्ततम क्षेत्र राजा बाजार स्थित ओवरब्रिज के समीप आयोजित किया गया, जहाँ संगठन के सदस्यों ने राहगीरों, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों के बीच निःशुल्क पौधों का वितरण कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अभियान का उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रति समाज का ध्यान आकर्षित करना था। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों, विद्यालयों, कार्यालयों एवं आसपास की खाली भूमि पर पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करें। साथ ही यह संदेश भी दिया गया कि पौधे केवल हरियाली ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन के लिए स्वच्छ वायु, संतुलित जलवायु और स्वस्थ पर्यावरण का आधार भी हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के संयोजक कफ़ील अहमद आज़ाद ने कहा, "पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी भी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, तो हम अपनी धरती को पुनः हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि प्रकृति और मानव जीवन का संबंध अटूट है तथा वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से संगठन समय-समय पर जनहित एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। इस अभियान को सफल बनाने में संगठन के सक्रिय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजन यादव, राजन साहनी, रिद्धि ठाकुर, कार्तिक सिंह, अनिकेश यादव एवं सुधांशु सिंह उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधों का वितरण करते हुए लोगों को "वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ" का संदेश दिया और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

जिला निबंधन कार्यालय का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शनिवार को जिला निबंधन कार्यालय मोतिहारी का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान ऑनलाइन निबंधन से संबंधित सारी प्रक्रियाओं को बारीकी से समझा गया एवं जिला अवर निबंधक को सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए, ताकि दस्तावेजों का निबंधन शीघ्र संपन्न हो सके। यहां पर निबंधन के लिए आए हुए व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा निबंधन के क्रम में आ रही परेशानियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता मानकों पर असंतोष व्यक्त किया गया एवं नियमित साफ सफाई का निर्देश दिया गया साथ ही साथ डीएम के द्वारा अभिलेखों के डिजिटाइजेशन कार्य की भी समीझा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला अवर निबंधक के द्वारा बताया गया कि विभाग द्वारा निबंधन की प्रक्रिया पेपर लेस की जानी है। पेपर लेस प्रक्रिया हेतु की गई तैयारी का भी अवलोकन किया गया। बेहतर कार्य संस्कृति, कर्मियों के समय पर आगमन एवं प्रस्थान, बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मेगा कृषि ऋण जनसंपर्क शिविर में 51 करोड़ रुपये के ऋण का हुआ वितरण

बीएनएम @ मोतिहारी @ नीरज आनन्द

मोतिहारी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय रूप से सशक्त करने के उद्देश्य से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय मोतिहारी द्वारा शनिवार को शहर के समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में भव्य मेगा कृषि ऋण जनसंपर्क शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में किसान, जीविका समूह की महिलाएं तथा बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार रहे। क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय एवं अग्रणी जिला प्रबंधक राजेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार देशभर में एक साथ मेगा कृषि ऋण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बैंक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु अधिकाधिक ऋण उपलब्ध कराना तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं एवं ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। रिजनल हेड विवेक कुमार पाण्डेय ने आगे कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है और बैंक इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। वहीं जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अपने उद्बोधन में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जिले के अग्रणी बैंक के रूप में सेंट्रल बैंक लंबे समय से विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक भविष्य में भी किसानों, महिलाओं एवं उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर जिले के आर्थिक विकास को नई गति देगा। जिलाधिकारी ने जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राप्त ऋण राशि का उपयोग स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना में करें तथा आत्मनिर्भरता की ऐसी मिसाल प्रस्तुत करें जो समाज के अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बने। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सामाजिक परिवर्तन का आधार बताया। कार्यक्रम के दौरान बैंक के मुख्य प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय ने उपस्थित लाभार्थियों को बैंक द्वारा संचालित विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं, वित्तीय सुविधाओं एवं सरकारी प्रोत्साहन कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। शिविर का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण 2026 जीविका समूह सदस्यों के बीच 51 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का रहा। जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला जीविका कार्यालय के अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन जिला जीविका कार्यालय के अधिकारी राजू कुमार ने किया। शिविर में जीविका समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बैंकिंग सहायता ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक अभिनव आनंद, मुख्य प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय सहित बैंक एवं जीविका से जुड़े अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अग्रणी जिला प्रबंधक राजेन्द्र कुमार पाण्डेय ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण एवं कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन की दिशा में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ।

बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ राजद का बड़ा आंदोलनः आगामी 9 जून को प्रखंड व 17 जून को जिला मुख्यालयों पर विशाल धरना

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के निर्देशानुसार राज्यव्यापी आंदोलन के तहत 9 जून 2026 को सभी प्रखंड मुख्यालयों तथा 17 जून 2026 को सभी जिला मुख्यालयों पर बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, भ्रष्टाचार और चौपट विधि-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ एकदिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। संवाद प्रेषित करते जिला राजद मीडिया प्रभारी जावेद अहमद ने बताया कि आम जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर सरकार की विफलताओं के विरोध में आयोजित इस धरना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया प्रभारी जावेद अहमद ने कहा कि इस अवसर पर पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हजारों की संख्या में भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाएं। उन्होंने सभी राजद समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की। धरना कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय के लिए जिला कमेटी द्वारा विभिन्न प्रखंडों के प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। नियुक्त प्रभारियों में हरेंद्र यादव (पिपरा कोठी), लालबाबू यादव (मोतिहारी), लखींद्र यादव (कल्याणपुर), राजदेव यादव (कोटवा), रामाश्रय यादव (संग्रामपुर), अवधेश यादव (केसरिया), मोहम्मद इमाम हुसैन (अरेराज), सोनू पांडेय (पहाड़पुर), कन्हैया पाल (प्रसिद्ध), अवनीश यादव (तुरकौलिया), संदीप यादव (तेतरिया) तथा राधा मोहन सिंह यादव शामिल हैं। राजद नेताओं ने दावा किया कि बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ यह धरना जनभावनाओं की आवाज बनेगा तथा सरकार को जनता की समस्याओं पर जवाब देने के लिए मजबूर करेगा।

एनएच किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने के लिए चलाया जाएगा अभियान

» चिन्हित स्थलों की थानावार सूची तैयार कर नोटिस जारी करने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला हाइवे सेफ्टी टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्वी चंपारण से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति, सड़क सुरक्षा तथा अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग की समस्या पर समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न डिवीजनों के प्रोजेक्ट मैनेजर, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजरों ने बताया कि एनएच किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण वाले स्थलों को चिन्हित कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चिन्हित स्थलों की थानावार सूची तैयार कर स्थानीय थाना के सहयोग से संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया जाए तथा शीघ्र कार्रवाई कर राष्ट्रीय राजमार्ग को अतिक्रमण मुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण से यातायात प्रभावित होता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। जिलाधिकारी ने इस दिशा में विशेष अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करें।

पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से ठगी और अवैध वसूली करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सुगौली थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से धोखाधड़ी एवं अवैध वसूली करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भटहां गांव निवासी नितेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी नितेश कुमार पुलिसकर्मी बनकर लोगों को झांसे में लेता था और उनसे अवैध रूप से रुपये वसूलता था। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से एक डबल स्टार लगी वर्दी, बिहार पुलिस की नीले रंग की टोपी, लाल बेल्ट, टॉर्च तथा एक डैगर चाकू बरामद किया गया। बरामद सामान को पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस मामले में सुगौली थाना में कांड दर्ज कर लिया गया है तथा आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है और उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी इस गिरोह में शामिल है या नहीं।

देसी कट्टा व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आदापुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आदापुर थाना क्षेत्र के हरकटवा गांव निवासी तबरेज आलम अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखा हुआ है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान आरोपी के कमरे से एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। कारतूस के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी की निशानदेही पर उसके पट्टीदार के घर के समीप छिपाकर रखा गया एक देसी कट्टा भी बरामद कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने अवैध हथियार एवं कारतूस को जब्त करते हुए तबरेज आलम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। वह झारखंड में हत्या के एक मामले में लगभग तीन वर्ष तक जेल की सजा भी काट चुका है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कदाचारमुक्त व स्वच्छ वातावरण में होगी अधिनायक लिपिक परीक्षा, 200 गज दायरे में निषेधाज्ञा लागू

» आगामी 10 जून को, 11 केंद्रों पर 7,896 अभ्यर्थी होंगे शामिल

» परीक्षा केंद्रों पर मीडिया के प्रवेश पर रहेगा प्रतिबंध।

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा बिहार गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक लिपिक पद पर नियुक्ति हेतु प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा आगामी 10 जून 2026, बुधवार को जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में कुल 7,896 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने परीक्षा को शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा संचालन से जुड़े सभी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परीक्षा एक पाली में पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 8:30 बजे से शुरू होगा, जबकि 9:30 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थियों की दो चरणों में फ्रिस्किंग की जाएगी तथा प्रवेश पत्र एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। अपर समाहर्ता ने सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, जैमर, बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। केंद्राधीक्षकों को सभी परीक्षा कक्षों में घड़ी लगाने एवं समय का मिलान करने को कहा गया। परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त स्टेटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल को सुबह 8 बजे तक अपने-अपने केंद्रों पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सशस्त्र बल एवं महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए महिला कर्मियों की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, घड़ी, इरेजर, शार्पनर अथवा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। वहीं ड्यूटी पर तैनात कर्मियों, पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को भी मोबाइल अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखने की अनुमति नहीं रहेगी। सभी परीक्षा केंद्रों के 200 गज की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में स्थित फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे की दुकानें सुबह 8 बजे से परीक्षा समाप्ति तक बंद रहेंगी। परीक्षा केंद्रों पर मीडिया के प्रवेश पर भी प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा के सुचारु संचालन एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06252-242418 परीक्षा के दिन सक्रिय रहेगा। संयुक्त ब्रीफिंग में सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार सहित प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सभी केंद्राधीक्षक उपस्थित रहे।

मेहसी में नल-जल योजना बेअसर, भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रहे लोग

» मेहसी में प्यासे लोग, सवालों के घेरे में नल-जल योजना

बीएनएम @ मोतिहारी

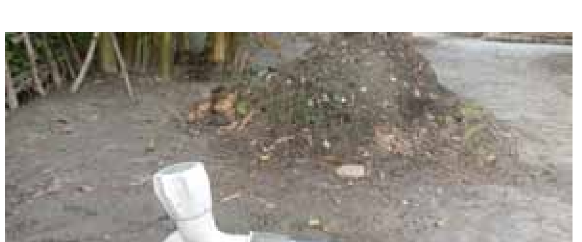

मोतिहारी। भीषण गर्मी के बीच जिला के मेहसी नगर पंचायत के लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की बन गई है। सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना था, नगर क्षेत्र में अपेक्षित परिणाम देने में असफल नजर आ रही है। नगर पंचायत के 15 वार्डों में करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों को नियमित जलापूर्ति नहीं मिल रही है। तापमान बढ़ने के साथ पानी का संकट भी गहराता जा रहा है। कई मोहल्लों में नलों से पानी नहीं आ रहा है, जबकि अनेक चापाकल भी पानी देना बंद कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को झेलनी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि योजना के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। लोगों का कहना है कि पाइपलाइन बिछाने से लेकर जलापूर्ति व्यवस्था तक कई स्तरों पर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच सका। नागरिकों ने अधिकारियों, ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

नगरवासियों का यह भी कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। लगातार बढ़ती गर्मी और जल संकट ने लोगों में नाराजगी और चिंता दोनों बढ़ा दी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, तो फिर मेहसी के लोगों को आज भी पानी के लिए संघर्ष क्यों करना पड़ रहा है? इस सवाल का जवाब और समाधान दोनों अब प्रशासनिक जिम्मेदारी का विषय बन चुके हैं।

फार्मर आईडी नहीं बनवाने वाले किसान कृषि योजनाओं के लाभ से होंगे वंचित

» 30 जून तक फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य, जिले में अब तक 1.80 लाख किसानों की बनी आईडी

» फार्मर आईडी के बिना नहीं मिलेगा उर्वरक और कृषि योजनाओं का लाभ

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ-2026 की तैयारियों, उर्वरक उपलब्धता तथा किसानों की फार्मर रजिस्ट्री को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि एग्री स्टैक परियोजना के तहत सभी किसानों के लिए फार्मर आईडी बनवाना अनिवार्य है। जिन किसानों के पास फार्मर आईडी नहीं होगी, उन्हें भविष्य में उर्वरक सहित कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री कराने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक करीब 1.80 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है, जबकि लगभग 5 लाख किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में शेष किसानों को भी जल्द से जल्द पंजीकरण कराने की आवश्यकता है। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों से किसानों को जागरूक करने का आग्रह किया गया। साथ ही बताया गया कि जिले में सभी प्रकार के उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं है। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अनियमितता पर विभाग की कड़ी नजर है। दोषी पाए जाने वाले थोक एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने मांग की कि कृषि विभाग से पंजीकृत सभी डीलर एवं सब-डीलर अपनी दुकानों पर प्रतिदिन उपलब्ध उर्वरक स्टॉक और सरकार द्वारा निर्धारित दरों की जानकारी सूचना पट पर प्रदर्शित करें, ताकि किसानों को पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिल सके। बैठक में विधायक प्रमोद कुमार, विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, विभिन्न कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधक तथा जिले के थोक उर्वरक विक्रेता उपस्थित रहे।

वीरगंज के घंटाघर चौक पर विशाल रक्तदान शिविर सम्पन्न, 60 लोगों ने किया रक्तदान

बीएनएम @ रक्सौल/वीरगंज

रक्सौल/वीरगंज। मानव जीवन बचाने और रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वीरगंज के घंटाघर चौक पर आयोजित विशाल खुला रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। क्रीयाशील युवा पत्रकार मंच नेपाल के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में तीन महिलाओं सहित कुल 60 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों, युवाओं, समाजसेवियों और रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदाताओं ने रक्तदान को मानवता की सेवा बताते हुए इसे जरूरतमंदों के लिए जीवनदान के समान बताया तथा ऐसे अभियानों को नियमित रूप से संचालित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रीयाशील युवा पत्रकार मंच नेपाल के अध्यक्ष आनन्द पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल पत्रकार महासंघ पर्सा के अध्यक्ष ओमप्रकाश खनाल उपस्थित रहे। वहीं नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा के अध्यक्ष बृज किशोर पटेल, दीपक पटेल, सौरभराज पाण्डे, बृजेश चौधरी सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रक्तदान करने वालों में ज्ञान्ती पटेल, पूजा साह, माधुरी महतो, अनिश पटेल, मुनेश पटेल, मुकेश पटेल, आदित्य शर्मा, राकेश साह, दीपेन्द्र पटेल, बीपीएस प्लस कॉलेज के संचालक दीपक पटेल, स्वच्छ समाज युवा क्लब के अध्यक्ष भूपेन्द्र पटेल, समाजसेवी बृजकिशोर चौधरी, आनन्द पटेल, राजेन्द्र भट्टराई, अरविन्द पटेल, पप्पू साह, प्रताप पटेल, अनुज पटेल, रञ्जय पटेल, विशेष द्विवेदी, जितेन्द्र साह, सुनील साह और सूर्यप्रताप पटेल सहित अनेक लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी के कारण किसी मरीज की जान न जाए, इसके लिए ऐसे जागरूकता एवं रक्तदान अभियान अत्यंत आवश्यक हैं। साथ ही युवाओं से सामाजिक दायित्व निभाते हुए नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया गया। नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा के अध्यक्ष बृज किशोर पटेल ने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान करने तथा समाज में इसके प्रति सकारात्मक संदेश फैलाने की अपील की। कार्यक्रम में नेपाल रेडक्रस सोसाइटी रेशमकोठी उपशाखा के युवा संयोजक अभिलाष गुप्ता की भी विशेष उपस्थिति रही। अंत में आयोजक संस्था ने रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और मानवीय कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

पुरुषोत्तमपुर थानाध्यक्ष सुधा कुमारी निलंबित, एसपी ने की कार्रवाई

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने पुरुषोत्तमपुर थानाध्यक्ष सुधा कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई तिरहुत प्रमंडल आयुक्त के कार्यालय से प्राप्त पत्र एवं विभिन्न शिकायतों की जांच के आधार पर की गई है। जानकारी के अनुसार, आवेदक रामकुमार द्वारा लगाए गए आरोपों तथा जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के आलोक में मामले की जांच कराई गई थी। जांच के दौरान कर्तव्य में लापरवाही, मामलों के निष्पादन में देरी, संवेदनशील मामलों में अपेक्षित कार्रवाई नहीं करने सहित अन्य आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। एसपी ने कहा कि नाबालिगों, महिलाओं एवं अन्य संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता, उदासीनता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी थानाध्यक्षों एवं अनुसंधानकर्ताओं को ऐसे मामलों में त्वरित प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष अनुसंधान, अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून के अनुरूप संवेदनशील एवं सक्रिय पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाए। कर्तव्य के प्रति लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

व्हाट्सएप पर लड़की बनकर बुलाया, युवक का अपहरण; 2 लाख की फिरौती मांगने वाले गिरोह की तलाश तेज

बीएनएम @ मोतिहारी। मधुबन थाना क्षेत्र में साइबर जाल बिछाकर एक युवक के अपहरण और फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपहृत युवक को महज दो घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मधुबन थाना क्षेत्र के बांकी टीकम गांव निवासी राजकिशोर राम ने पुलिस को सूचना दी कि उनके पुत्र रोशन कुमार का अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकर्ताओं ने युवक के मोबाइल फोन से यूपीआई क्यूआर कोड भेजकर दो लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी। सूचना मिलते ही मधुबन पुलिस सक्रिय हो गई और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के चौरमा स्थित एक सुनसान चंवर में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस पूछताछ में रोशन कुमार ने बताया कि वह पिछले तीन-चार दिनों से व्हाट्सएप पर एक लड़की समझकर किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था। बातचीत के दौरान मिलने का झांसा देकर उसे बुलाया गया, जहां अपराधियों ने उसका अपहरण कर लिया। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है तथा अपहरण में शामिल अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर अंजान लोगों से संपर्क रखने के खतरों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

ड्यूटी के दौरान करंट लगने से लाइनमैन गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @पताही। पताही प्रखंड क्षेत्र के पताही विद्युत फीडर में कार्यरत लाइनमैन गोलू कुमार ड्यूटी के दौरान करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद विभागीय कर्मियों एवं स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, घायल लाइनमैन गोलू कुमार पताही थाना क्षेत्र के बोकाने गांव के निवासी हैं। वे विद्युत लाइन से संबंधित कार्य कर रहे थे, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गए। हादसे में वे गंभीर रूप से झुलस गए। पताही फीडर के कनिष्ठ अभियंता (जेई) नरेंद्र कुमार ने बताया कि रिटर्निंग लाइन में करंट आने के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि घायल कर्मी का इलाज मोतिहारी में चल रहा है और चिकित्सकों की निगरानी में उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में चिंता का माहौल बन गया। वहीं स्थानीय लोगों ने घायल लाइनमैन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। विभागीय अधिकारियों द्वारा उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। यह हादसा विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित करता है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

जहरीली शराब कांड के फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चस्पाया इस्तेहार

बीएनएम @ मोतिहारी। चर्चित जहरीली शराब कांड में फरार चल रहे अभियुक्त लालबाबू यादव के खिलाफ पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इस्तेहार चस्पाने की कार्रवाई की। पिपरा कोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ढोल-नगाड़े के साथ सलेमपुर गांव पहुंचकर अभियुक्त के घर पर इस्तेहार चस्पाया। इस दौरान पुलिस ने ग्रामीणों के समक्ष मुनादी कराते हुए फरार अभियुक्त को शीघ्र आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद अभियुक्त अब तक गिरफ्तारी से बच रहा है। यदि वह निर्धारित अवधि के भीतर आत्मसमर्पण नहीं करता है तो उसके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जहरीली शराब कांड से जुड़े सभी फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और कानून से बचने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राजस्व कर्मचारी प्रदीप कुमार मिश्र निलंबित, कार्यों में लापरवाही पर कार्रवाई

बीएनएम @ बेतिया। जिला प्रशासन ने राजस्व कार्यों में लापरवाही, लगातार अनधिकृत अनुपस्थिति और वरीय अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना के आरोप में मझौलिया अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी प्रदीप कुमार मिश्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। 05 जून को आयोजित राजस्व संबंधी समीक्षा बैठक में प्रदीप कुमार मिश्र बिना अनुमति अनुपस्थित पाए गए। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि उनके हल्का क्षेत्र में दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित कई राजस्व मामलों का समय पर निष्पादन नहीं हुआ है और कार्यों की प्रगति अत्यंत असंतोषजनक रही है। अंचल अधिकारी, मझौलिया की रिपोर्ट के अनुसार, मिश्र अक्सर बिना सूचना के अनुपस्थित रहते थे, जिससे जमाबंदी संशोधन, आधार सीडिंग, सरकारी भूमि सत्यापन, लगान अद्यतीकरण, लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम से जुड़े मामलों तथा सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। कई बार स्पष्टीकरण मांगे जाने के बावजूद उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और वरीय अधिकारियों के निर्देशों की भी अनदेखी की। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 एवं बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जिला राजस्व शाखा, बेतिया निर्धारित किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान मुख्यालय में प्रतिदिन की वास्तविक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा। जिला प्रशासन ने अंचल अधिकारी, मझौलिया को एक सप्ताह के भीतर आरोप-पत्र तैयार कर अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर के माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा ने कहा कि सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और लोक सेवाओं के निष्पादन में बाधा उत्पन्न करने वाले कर्मियों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शिवहर की नन्ही भव्या को मिला नया परिवार, बेंगलुरु के दंपत्ति ने लिया गोद

बीएनएम @ शिवहर

शिवहर। विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, शिवहर के माध्यम से एक मासूम बच्ची 'भव्या' का फाइनल दत्तक ग्रहण शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला पदाधिकारी प्रतिभा रानी ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर बच्ची को बेंगलुरु निवासी दंपत्ति पंकज प्रसून एवं गुंजा कुमारी को सौंपा। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि बच्ची को गोद लेकर दंपत्ति ने एक सराहनीय कार्य किया है। इससे न केवल बच्ची को सुरक्षित एवं स्नेहमय परिवार मिला है, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई शुभांगी सिंह ने बताया कि दत्तक ग्रहण से पूर्व दंपत्ति के चिकित्सा, शैक्षणिक एवं पहचान संबंधी दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई। सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के संतोषजनक पाए जाने के बाद ही दत्तक ग्रहण की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि बच्ची पिछले दो माह से प्री-एडॉप्शन अवधि में दंपत्ति के साथ रह रही थी। इस अवधि के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद शनिवार को फाइनल एडॉप्शन की प्रक्रिया पूरी की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। सभी ने नवदंपत्ति और बच्ची के सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नल-जल योजना रोकने पर बीपीआरओ इन्द्रजीत दास का एक्शन, थानाध्यक्ष की चेतावनी; 'अब खैर नहीं'

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेला में नल-जल योजना के मरम्मत कार्य में बाधा डालना अब उपद्रवियों को महंगा पड़ रहा है। प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) इन्द्रजीत दास ने मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वार्ड संख्या 01 और 09 में नल-जल योजना के मरम्मत कार्य में व्यवधान की सूचना मिलने पर बीपीआरओ ने तत्काल संज्ञान लिया। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों को सख्त चेतावनी दी। आरोप है कि वार्ड संख्या 01 निवासी मो. जिकुल्लाह तथा वार्ड संख्या 09 निवासी सोनू कुमार द्वारा सरकारी कार्य में बाधा डाली जा रही थी। बीपीआरओ इन्द्रजीत दास ने स्पष्ट कहा कि ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा से जुड़ी नल-जल योजना को प्रभावित करना जनहित के विरुद्ध है और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने भी चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार अथवा विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सहयोग से बीपीआरओ के निर्देश पर मरम्मत कार्य को 24 घंटे के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि ग्रामीणों को पेयजल संकट से जल्द राहत मिल सके। प्रशासन की सक्रियता से यह स्पष्ट संदेश गया है कि विकास कार्यों में अड़ंगा लगाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

यह रहा समाचार का पुनर्लेखनः चार नाबालिग बच्चियों के लापता होने के मामले का 36 घंटे में खुलासा, मदरसा शिक्षक गिरफ्तार

बीएनएम @ शिकारगंज

शिकारगंज। शिकारगंज थाना क्षेत्र में चार नाबालिग बच्चियों के एक साथ लापता होने के मामले का पुलिस ने 36 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने सभी बच्चियों को सकुशल बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब इसके सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र निवासी मो. बसीर की चार नाबालिग पुत्रियां अचानक घर से लापता हो गई थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर विशेष टीम का गठन कर खोजबीन शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गिरफ्तार आरोपी मो. अशफाक, पिता फिरोज आलम, करसहिया निवासी है और उस मदरसे में शिक्षक के रूप में कार्यरत था, जहां बच्चियां पढ़ाई करती थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपने शिक्षक होने का लाभ उठाते हुए बच्चियों का विश्वास जीता और उन्हें अपने साथ ले गया। सिकरहना डीएसपी अभिषेक कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान और लगातार छापेमारी के माध्यम से आरोपी के ठिकाने का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों बच्चियों को सुरक्षित बरामद कर लिया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस मोबाइल के तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित संपर्कों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इस अभियान में डीएसपी अभिषेक कुमार, पुलिस निरीक्षक सच्चिदानंद पाण्डेय, थानाध्यक्ष गोपाल कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, परिचारी पुलिस अवर निरीक्षक अंशु कुमारी, सहायक अवर निरीक्षक सुनील सिंह तथा शिकारगंज थाना के सशस्त्र बल के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चार साल से फरार पोक्सो व अपहरण कांड का आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @हरसिद्धि, संवाददाता

हरसिद्धि, संवाददाता। हरसिद्धि थाना पुलिस ने चार वर्षों से फरार चल रहे पोक्सो एवं अपहरण कांड के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के रंजिता गांव निवासी गोलू कुमार, पिता रविंद्र दास के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध हरसिद्धि थाना कांड संख्या 298/22, दिनांक 27 जून 2022 को भारतीय दंड संहिता की धारा 366, 366(ए) तथा पोक्सो एक्ट की धारा 8/10 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला दर्ज होने के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपने क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया। इसी दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने के आरोप में युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि, संवाददाता

हरसिद्धि, संवाददाता। सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए वीडियो वायरल होने के मामले में हरसिद्धि थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रूपेश कुमार, पिता रविंद्र दास, निवासी रंजिता ततवा टोली, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर हथियार के साथ वीडियो वायरल होने की सूचना मिलने के बाद मामले की जांच की गई। जांच में आरोपी की पहचान होने पर पुलिस टीम द्वारा छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। पूर्व में वह एक पेट्रोल पंप से रंगदारी मांगने के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध हथियारों के प्रदर्शन और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

बगहा पुलिस ने चोरी कांड का किया सफल उद्भेदन, 10 लाख के आभूषण सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा

बगहा। पुलिस जिला बगहा अंतर्गत लौकरिया थाना कांड संख्या-101/26 में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के मामले का सफल उद्भेदन करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के चोरी किए गए आभूषण, मोबाइल फोन, डायरी एवं रजिस्टर बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 21 मई 2026 को लौकरिया थाना में बीएनएस की धारा 305 एवं 331(4) के तहत मामला दर्ज किया गया था। कांड के अनुसंधान एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बगहा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामनगर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 5 जून 2026 को तिरपुरारी सहनी (स्वर्ण व्यवसायी), गोलू कुमार तथा सूरज कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। साथ ही उन्होंने बगहा जिले के अन्य आपराधिक मामलों में भी अपनी भूमिका स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए लगभग 10 लाख रुपये मूल्य के गहने, मोबाइल फोन, डायरी एवं रजिस्टर बरामद किए हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। इस अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामनगर रागिनी कुमारी, लौकरिया थानाध्यक्ष रमन कुमार, अनुसंधानकर्ता सोनू कुमार, समीम अहमद, अशोक कुमार, अनुज कुमार सिंह, सिपाही विनय कुमार एवं सिपाही आशीष कुमार शामिल रहे।

स्कूली शिक्षा गंभीर संकट का सामना कर रही

शिक्षा का प्रसार करने में भारत सफल है, मगर स्कूल से यूनिवर्सिटी तक लर्निंग क्वालिटी, तर्क-बुद्धि, शिक्षक क्षमता और रोजगार लायक योग्यता प्रदान करने के मामले में वह गहरे संकट का सामना कर रहा है। गुणवत्ता संपन्न ज्ञान एवं तर्क क्षमता प्रदान करने के मामले में भारत की स्कूली शिक्षा गंभीर संकट का सामना कर रही है। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट- 'भारत में स्कूल शिक्षा प्रणालीः सामयिक विश्लेषण एवं गुणवत्ता वृद्धि के लिए नीतिगत मार्ग०- में यह बात स्वीकार की है। आयोग ने ये विस्तृत रिपोर्ट यूडीआईएसई+, एनएएस, प्रदर्शन आकलन समीक्षा, परख और असर रिपोर्टों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर तैयार की है। एक वाक्य में इसका सार है- 'शिक्षा का प्रसार करने में भारत ने सफलता हासिल की है, मगर लर्निंग क्वालिटी, शिक्षक क्षमता, और रोजगार पाने लायक योग्यता० प्रदान करने जैसे मामलों में वह गहरे संकट का सामना कर रहा है।० प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक यही सूरत मौजूद है। स्पष्टतः शिक्षा के प्रसार से मतलब स्कूलों में दाखिले से है। आज देश में 14.7 लाख स्कूल, तकरीबन 24.7 करोड़ बच्चे और एक करोड़ शिक्षक हैं। मगर बुनियादी ज्ञान प्राप्त एवं प्रदान करने के मोर्चे पर स्थिति नाजुक है। ऊंचे क्लास में पहुंच जाने के बावजूद ज्यादातर छात्र निचले वर्ग का पाठ पढ़ने या अंकगणित के प्रश्नों को हल करने में नाकाम बने रहते हैं। क्लास बढ़ने के साथ समस्या बढ़ती चली जाती है। कई राज्यों के विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता कमजोर है, शिक्षा का स्तर अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के योग्य नहीं है, शिक्षा संस्थान फंडिंग और संचालन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त हैं और इन सबका नतीजा है कि डिग्री लेकर निकले छात्रों को बाजार रोजगार के योग्य नहीं मानता। आयोग ने कहा है कि बिखराव- ग्रस्त स्कूल प्रणाली, शिक्षकों की कमी, और असमान लर्निंग की स्थिति जैसे मसलों को हल नहीं किया गया, तो प्रगति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकेगा। रिपोर्ट में शिक्षा व्यवस्था में आमूल सुधार की जरूरत बताई गई है। आधुनिक दौर के मुताबिक इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित करने का सुझाव दिया गया है। मगर ये होगा कैसे? बजट पर गौर करें, तो साफ है शिक्षा सरकारों की प्राथमिकता नहीं है। ऊपर से ज्ञान एवं तर्क विरोधी माहौल राजनीतिक परियोजना के तहत बनाया जा रहा है। ऐसे में छात्र सीखने एवं तर्क करने की दिशा में कैसे प्रेरित होंगे?

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है। नहींः अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके। सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मालवीय नगर की आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया; उसने हमारी शहरी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा संस्कृति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब समय केवल शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई करने का है। क्योंकि हर हादसे के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है—क्या हमने उससे कुछ सीखा? यदि इस बार भी उत्तर नहीं रहा, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार कर रही होगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

तृणमूल कांग्रेस आखिर क्यों टूट टूट कर बिखरने की कगार पर है

अजय दीक्षित

तृणमूल कांग्रेस पश्चिमी बंगाल में टूट टूट कर बिखरने को है । यहां तक कि पचास विधायक,15 लोकसभा सांसद और 09राजसभा सांसद, एक आद हजार पार्षद, मेयर, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के काउंसलर, कोलकाता की पूरी पार्षद दल, विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद घर बैठे हैं और पार्टी द्वारा बुलाए जाने पर भी कार्यक्रमों नहीं जा रहे हैं। अधिकतर लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना चाहते हैं परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने तय किया है कि किसी को शामिल नहीं किया जाएगा। यद्यपि सूत्रों माने तो राज्य सभा सांसदों को कुछ रियायत मिलने के संकेत हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को राज्य सभा में दो तिहाई बहुमत के लिए 15 सीट चाहिए क्योंकि उसके पास राजग की 148 सीट है।

तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी घर से निकलने हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। अभिषेक बनर्जी को ईडी सीबीआई का डर सता रहा है। बताया जाता है अभिषेक बनर्जी के पास 200करोड़ की नामी बेनामी संपत्ति है।

सरकार के पूर्व मंत्री,कई विधायक,गुंडे, हफ्ता वसूली करने वाले, टोला वाजी करने वाले, बाग्लादेश मुस्लिम,सब परेशान हैं। पूरा बंगाल का रेडी, पटरी, अवैध मकान,जमीन घेरने वाले भाग रहे हैं या सीखचों का इतजार कर रहे हैं। जिसमें मुस्लिम अवैध धंधे बाज़,इनकी तो जैसे समत आ गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया के जयंत घोषाल कहते हैं कि जैसे बंगाल में अनुशासन आ गया है। हावड़ा जंक्शन, कोलकाता, मुर्शिदाबाद, मालदा, वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना, प्रेसीडेंसी कोलकाता,में जमकर अतिक्रमण तोड़े जा रहे है।1978 बाद पहली बार ईद की नवाज़ सड़क पर नहीं हुई बल्कि परेड ग्राउंड में हुई कोई भाषण नहीं किया।किसी भी सड़क पर बंगाल कोई नवाज नहीं हुई । अभी तो मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी का पूरा मंत्री मंडल नहीं बना है। जिस पर ऐसे हालात है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार ने बंगाल को चारसौ कंपनी बीएसएफ की दी है। सुबेंदु प्रतिदिन सुबह चार बजे से रात दो बजे तक सक्रिय है।अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी गए थे 1 लाख करोड़ प्रस्ताव सड़क,बिजली,पानी, नेशनल हाईवे, देकर आए जो शायद 15 जून केंद्रीय मंत्री परिषद बैठक में पास होगे। जिसमें शिक्षा का उन्नयन, विश्वविद्यालय,कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन,का विशेष पैकेज भी शामिल होगा।

पश्चिमी बंगाल में 1977 में लेफ्ट पार्टियों की सरकार बनी लेफ्ट पार्टियों ने कांग्रेस का दामन किया यहां तक कि पूरा लोकतंत्र का अपहरण कर लिया और विपक्ष को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया।23 वर्ष ज्योति बसु मुख्यमंत्री रहे और 11 वर्ष बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री रहे ।इन वर्षों में लेफ्ट पार्टियों ने बूथ जाम करने का नया तरीका ईजाद किया। लेकिन ममता बनर्जी जैसी जुझारू महिला ने अकेले दम पर 34 साल की लेफ्ट पार्टियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में उखाड़ फेंका। लेकिन ममता बनर्जी 2016 तक तो कुछ हद तक लोकतांत्रिक रही थी लेकिन तुड़मूल ने भी लेफ्ट पार्टियों की तरह काम करना शुरू कर दिया। कट मनी, टोला वाजी, भ्रष्टाचार, भाई भतीजा बाद जम कर किया। लेफ्ट समाप्त होगयी थी ।2016 से पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी जड़े जमाना शुरू कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी 2016 विधानसभा चुनाव में मात्र 11 फीसदी वोट लाकर तीन सीट ही जीत सकी।2019 के लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ भारतीय जनता पार्टी ने 40 फीसदी वोट लाकर 42 में से 18 सीट जीती थी।2024 लोकसभा में वोट शेयर 39 फीसदी रहा मगर सीट 12 रह गई । 2021के विधानसभा चुनाव को भारतीय जनता पार्टी ने पूरे दम खम से लड़ा और 40 फीसदी वोट लाकर 77 सीट 294 में से जीती यह अदभुत था ।2026 में भारतीय जनता पार्टी ने 46 फीसदी वोट लाकर 207 सीट जीती और ममता बनर्जी युग का अंत कर दिया।

अब ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है क्योंकि तुड़मूल विचारधारा की पार्टी नहीं है। उसके लोग पहले सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों में थे। तृणमूल कांग्रेस अब हर स्तर पर बिखर रही हैं क्योंकि बंगाल में पार्टियों लोग धन कमाने रहते हैं।ये लोग हत्या, लूट, जुआ, अवैध शराब, कट मनी, टोला वाजी,में शामिल रहते हैं।

बंगाल में पिछले 50 वर्षों में इन लोगों ने सभी उद्योग धंधे बंद करा दिए। भारतीय जनता पार्टी एक अनुशासन पार्टी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी से कहा है कि बंगाल की कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन को जिंदा करने का कार्य करो।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे। व्यापार से रिलेटेड नई योजनाएं बना सकते हैं, जिससे आपकी आय के स्रोत खुलेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। निवेश करने के लिए अच्छा समय है। यात्रा पर जाने के योग हैं। आप अपनी पत्नी तथा बच्चों के साथ किसी मनपसंद जगह पर घूमने जाएंगे, जिससे आपकी उलझनें दूर होंगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आपके लिए आज का दिन खुशनुमा रहेगा। आज आपको कुछ नये लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा। आपको नया प्रोजेक्ट मिलने के योग हैं। जिससे आपके प्रगति के रास्ते खुलेंगे। आपके व्यवसाय में बेहतर बदलाव होने की संभावना है, जो आपके आर्थिक स्तर को बेहतर बनाएगा। आज आप बहुत आनंदित रहेंगे। पारिवारिक दृष्टि से आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप केवल भाग्य के भरोसे न बैठकर बल्कि अच्छी मेहनत करेंगे। नौकरी में अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। कहीं की मनोरंजक यात्रा होने की संभावना है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आपके व्यवसाय में लाभ मिलेगा। आय के साधन बढ़ेंगे। व्यापार से जुड़ी यात्रा फायदेमंद रहेगी। इस दौरान आप किसी से अपने व्यापार संबंधी सीक्रेट शेयर करने से बचें।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका हर काम सफलता पूर्वक संपन्न होगा। व्यावसायिक योजनाएं पूरी होंगी। कार्यस्थल पर आज ज्यादा काम होने की संभावना है, पर आप मेहनत और लगन से समय पर पूरा कर लेंगे और सहकर्मियों के बीच आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। घर में शुभ कार्य संपन्न होगा।

कन्या राशिःकन्या राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों के बीच आपसी रिश्ते और अच्छे होंगे। आप दोनों की रुचि धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़ेगी। नई नौकरी मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मेहनत के बल पर सफलता हासिल कर लेंगे। व्यापारी वर्ग को बड़े लाभ के योग हैं। नये साधनों से आय में वृद्धि होगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना कारगर साबित होगी। अच्छा धन अर्जित करने में सफल होंगे। किसी तरह का निवेश करने से पहले अपने बड़ों से सलाह अवश्य लेंगे। मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले जातक अपने टीम के सदस्यों के साथ तालमेल बिठाने में धैर्य से काम लें तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में चीजें आपके अनुकूल रहेंगी। घर में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में बड़े सुधार के योग हैं। डिज़ाइनर्स को आज बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आप नई बाइक लेने का विचार अपने सहयोगियों के साथ करेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपके व्यवसाय में विस्तार के साथ आय के स्रोत विकसित होंगे। मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले छात्रों को आज नई खबर मिल सकती है। जिससे उनका मनोबल ऊंचा होगा और आगे की पढ़ाई में सहयोग मिलेगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा बर्ताव आपकी सफलता में सहायक होगा। पदोन्नति के योग बनेंगे। आज आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। साझेदारी में व्यापार करने वालों को सफलता मिलेगी। निवेश से लाभ के योग बन रहें हैं।

मीन राशिःमीन राशि वालों आपके लिए दिन खास रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आप अपने अनुभव से अच्छी सफलता हासिल करेंगे। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। पदोन्नति के योग बनेंगे। संगीत की शिक्षा ले रहे छात्रों को नये अवसर मिलेंगे। आपको कहीं अपनी कला प्रदर्शन का मौका मिल सकता है।

शिक्षा का गिरता स्तर और व्यवसायीकरण की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला होती है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी देश का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है क्योंकि आज के विद्यार्थी ही कल के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक और राष्ट्रनिर्माता बनते हैं। इसलिए शिक्षा का स्तर कभी गिरना नहीं चाहिए। जब शिक्षा अपनी मूल भावना से भटक जाती है, तब उसका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। दुर्भाग्य से वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ, बढ़ता व्यवसायीकरण, नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही हैं।

हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएँ लगातार सामने आई हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी में महीनों और वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देता है। उसके माता-पिता भी अनेक त्याग और संघर्ष करके उसकी पढ़ाई का खर्च वहन करते हैं। लेकिन जब परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाता है, तब लाखों विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। ऐसे मामलों में केवल परीक्षा ही रद्द नहीं होती, बल्कि विद्यार्थियों का मनोबल भी टूटता है। उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास उत्पन्न होता है। वे यह सोचने लगते हैं कि क्या ईमानदार परिश्रम का कोई मूल्य नहीं रह गया है। इसलिए पेपर लीक जैसी घटनाएँ केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र पर लगा एक कलंक हैं।

शिक्षा का उद्देश्य सदैव ज्ञान, विवेक और संस्कार प्रदान करना रहा है। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल विषयगत ज्ञान ही नहीं दिया जाता था, बल्कि उन्हें सत्य, अहिंसा, अनुशासन, सेवा, करुणा और राष्ट्रभक्ति जैसे जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती थी। गुरु अपने शिष्यों के व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान देते थे। आज स्थिति बदल चुकी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में अंकों, डिग्रियों और रोजगार की चर्चा अधिक होती है, जबकि चरित्र निर्माण और नैतिक शिक्षा पीछे छूटती जा रही है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार करना है, केवल नौकरी पाने वाले व्यक्तियों का निर्माण करना नहीं।

वर्तमान समय में शिक्षा अपेक्षित स्तर की नहीं दिखाई देती। इसका एक प्रमुख कारण शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण है। आज शिक्षा सेवा से अधिक उद्योग बनती जा रही है। अनेक निजी शिक्षण संस्थानों का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के बजाय अधिक से अधिक लाभ कमाना बन गया है। विद्यालयों और कॉलेजों की ऊँची फीस सामान्य परिवारों के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर कोचिंग और अन्य सुविधाओं तक हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्रवृत्ति दिखाई देती है। शिक्षा अब समाज सेवा का माध्यम कम और व्यापार का साधन अधिक बनती जा रही है। कोचिंग संस्कृति ने भी शिक्षा को प्रभावित किया है। विद्यार्थी विद्यालय की पढ़ाई से अधिक कोचिंग संस्थानों पर निर्भर होते जा रहे हैं। बड़े-बड़े विज्ञापनों और आकर्षक परिणामों के माध्यम से शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे शिक्षा का मूल स्वरूप प्रभावित हुआ है। विद्यार्थियों पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ गया है। सफलता को केवल अंकों और रैंक से मापा जाने लगा है। परिणामस्वरूप विद्यार्थी मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

शिक्षा के व्यवसायीकरण का एक दुष्परिणाम यह भी है कि समाज में असमानता बढ़ रही है। आर्थिक रूप से सक्षम परिवार अपने बच्चों को महंगे विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में भेज सकते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। शिक्षा का अधिकार सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए है, लेकिन जब शिक्षा अत्यधिक महंगी हो जाती है, तब यह समानता का सिद्धांत कमजोर पड़ने लगता है।

आज आवश्यकता केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास करने की है। बचपन में प्राप्त संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। माता-पिता और शिक्षक दोनों ही विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हो, तो विद्यार्थी केवल सफल पेशेवर ही नहीं बल्कि अच्छे इंसान भी बन सकते हैं। ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, सहिष्णुता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण शिक्षा के माध्यम से विकसित किए जाने चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। जब शिक्षक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हैं, तब विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते हैं। इसी प्रकार अभिभावकों को भी बच्चों पर केवल अंक प्राप्त करने का दबाव डालने के बजाय उनके व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य जीवन को सार्थक बनाना है, केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं।

सरकार और शिक्षा प्रशासन को भी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाना चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूर्णतः रोक लग सके। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का साहस न कर सके। साथ ही, शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता, नैतिकता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए।

नई शिक्षा नीति और विभिन्न सुधारात्मक प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब उनका उद्देश्य केवल तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता बढ़ाना न होकर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हो। शिक्षा को रोजगार से जोड़ना आवश्यक है, लेकिन उसे केवल रोजगार तक सीमित कर देना उचित नहीं है। शिक्षा का संबंध व्यक्ति के विचार, व्यवहार, चरित्र और सामाजिक चेतना से भी है।

अंततः कहा जा सकता है कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसका स्तर गिरना पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लियोनेल मेसी की मैदान पर वापसी की बढ़ी उम्मीद, वर्ल्ड कप से पहले अर्जेंटीना को राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए विश्व कप से पहले एक अच्छी खबर सामने आई है। टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और आगामी वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर वापसी कर सकते हैं। मेसी की फिटनेस को लेकर लंबे समय से चल रही चिंताओं के बीच यह खबर अर्जेंटीना टीम और उसके प्रशंसकों के लिए राहत लेकर आई है। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुई चोट में काफी सुधार हुआ है और वह धीरे-धीरे टीम के साथ अभ्यास सत्रों में शामिल हो रहे हैं। कोच के अनुसार, मेसी की रिकवरी उम्मीद से बेहतर रही है और उन्हें अमेरिका में होने वाले दो अभ्यास मैचों में से किसी एक में सीमित समय के लिए मैदान पर उतारा जा सकता है। स्कालोनी ने कहा कि मेसी ने हाल के प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया है, जो उनकी फिटनेस में सुधार का सकारात्मक संकेत है। हालांकि टीम प्रबंधन कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता और अंतिम फैसला उनकी शारीरिक स्थिति का आकलन करने के बाद ही लिया जाएगा। अर्जेंटीना शनिवार को होंडुरास के खिलाफ और उसके बाद मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मुकाबला खेलेगा। 38 वर्षीय मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर मियामी सीएफ के लिए खेलते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इसके बाद से वह प्रतिस्पर्धी मैचों से दूर हैं। हालांकि चोट से पहले उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। मौजूदा सत्र में उन्होंने 14 मैचों में 12 गोल करने के साथ 8 असिस्ट भी दर्ज किए हैं। मेसी की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2022 में हुए फीफा विश्व कप 2022 में उन्होंने अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। उस टूर्नामेंट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें गोल्डन बॉल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अब टीम को उम्मीद है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी का रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 198 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 116 गोल किए हैं और सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा वह विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 26 मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। मेसी के साथ-साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने की तैयारी कर रहे हैं।

किसी एक टीम से बड़ा है आईसीसी : जय शाह

टी20 विश्व कप 2026 विवाद पर पहली बार बोले शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर पैदा हुए विवाद पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आईसीसी किसी एक देश या टीम पर निर्भर नहीं है और संगठन हमेशा किसी भी सदस्य देश से बड़ा होता है। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट की अभूतपूर्व सफलता और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या का भी उल्लेख किया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के दौरान बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में जगह नहीं मिलने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में खेलने को लेकर आपत्ति जताई थी। बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि उसकी टीम के सभी मुकाबले केवल श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि आईसीसी ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। बताया जाता है कि जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपने रुख पर अडिग रहा और किसी समझौते पर सहमत नहीं हुआ, तब आईसीसी ने बड़ा फैसला लेते हुए बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को प्रतियोगिता में

शामिल किया गया, ताकि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टूर्नामेंट का संचालन प्रभावित न हो। एक कार्यक्रम में बोलते हुए जय शाह ने बिना किसी देश का नाम लिए पूरे घटनाक्रम पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि विश्व कप शुरू होने से पहले कई तरह की चर्चाएं हो रही थीं कि कौन सी टीम खेलेगी, कौन नहीं खेलेगी और प्रतियोगिता का आयोजन किस प्रकार होगा। लेकिन आईसीसी का दृष्टिकोण हमेशा स्पष्ट रहा है कि कोई भी संस्था किसी एक टीम के भरोसे नहीं चलती। संगठन की मजबूती सभी सदस्य देशों के सामूहिक योगदान से बनती है। टी20 विश्व कप 2026 विवाद पर पहली बार बोले शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर पैदा हुए विवाद पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आईसीसी किसी एक देश या टीम पर निर्भर नहीं है और संगठन हमेशा किसी भी सदस्य देश से बड़ा होता है। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट की अभूतपूर्व सफलता और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या का भी उल्लेख किया।

भारतीय टेस्ट टीम तक पहुंचा मानव सुथार का संघर्ष

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्थान के श्रीगंगानगर से निकलकर भारतीय क्रिकेट टीम तक पहुंचने वाले युवा स्पिनर मानव सुथार की कहानी संघर्ष, समर्पण और सपनों को साकार करने की मिसाल बन गई है। 23 वर्षीय मानव सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भारतीय टीम के लिए पदार्पण कर अपने साथ-साथ अपने परिवार का भी सपना पूरा कर दिया। टेस्ट डेब्यू के मौके पर उन्हें भारतीय टीम के वरिष्ठ स्पिनर कुलदीप यादव ने टेस्ट कैप सौंपी। मानव सुथार का क्रिकेट सफर आसान नहीं रहा। साधारण परिवार से आने वाले इस युवा खिलाड़ी की सफलता के पीछे उनके पिता का त्याग और संघर्ष सबसे बड़ी ताकत रहा है। मानव के पिता जगदीश सुथार श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में पीटीआइ शिक्षक थे। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बेटे को क्रिकेटर बनाने का सपना कभी नहीं छोड़ा। जब मानव ने क्रिकेट को गंभीरता से अपनाने का फैसला किया, तब उनके सामने अभ्यास के लिए उपयुक्त सुविधाओं की कमी सबसे बड़ी बाधा थी। उस समय श्रीगंगानगर में टर्फ पिच उपलब्ध नहीं थी। बेटे की प्रतिभा को निखारने के लिए जगदीश सुथार ने एक साहसिक कदम उठाया। उन्होंने घर के पास एक खाली जमीन किराए पर ली और वहां टर्फ पिच तैयार कराने का निर्णय लिया। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के बावजूद उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर पिच का निर्माण कराया ताकि मानव को अभ्यास में किसी तरह की परेशानी न हो।

ऋषभ पंत के सामने करियर बचाने की चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने करियर के एक बेहद अहम दौर से गुजर रहे हैं। मैदान के भीतर और बाहर कई कठिन चुनौतियों का सामना कर चुके पंत के सामने अब एक बार फिर खुद को साबित करने की चुनौती है। गंभीर कार दुर्घटना से उबरकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी करने वाले पंत अब खराब फॉर्म और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण दबाव में हैं।

ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला एकमात्र टेस्ट उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईपीएल 2026 का सीजन ऋषभ पंत और उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स दोनों के लिए निराशाजनक रहा। बतौर कप्तान और बल्लेबाज वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल पंत न तो बल्ले से प्रभाव छोड़ पाए और न ही टीम को सफलता दिला सके।

16 साल बाद घरेलू टेस्ट में नहीं देखने मिली अश्विन-जडेजा की जोड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक युग का अंत अब स्पष्ट रूसे दिखाई देने लगा है। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू हुए एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार ऐसा हुआ जब घरेलू मैदान पर भारत की प्लेइंग इलेवन में न तो रविचंद्रन अश्विन होंगे और न ही रविंद्र जडेजा। पिछले डेढ़ दशक से भारतीय टेस्ट टीम की स्पिन गेंदबाजी की धुरी रही इस जोड़ी की अनुपस्थिति भारतीय क्रिकेट में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत मानी जा रही है। करीब 16 वर्षों तक अश्विन

और जडेजा ने घरेलू परिस्थितियों में विपक्षी टीमों के लिए मुश्किलें खड़ी कीं। दोनों ने मिलकर भारत को कई यादगार जीत दिलाईं और स्पिन गेंदबाजी को टीम की सबसे बड़ी ताकत बनाया। हालांकि अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अश्विन ने वर्ष 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड टेस्ट के बाद अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उनके जाने के बाद जडेजा भारतीय टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिन ऑलराउंडर के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ इस टेस्ट के लिए उन्हें भी टीम में जगह नहीं मिली। घरेलू मैदान पर अश्विन का रिकॉर्ड उनकी महानता को बयां करता है। वर्ष 2011 से 2024 के बीच उन्होंने भारत में 65 टेस्ट मैच खेले और 383 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा उन्होंने बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान देते हुए चार शतक और 1989 रन बनाए।

बिजनेस

लोकल से ग्लोबल बना सिमडेगा का आम्रपाली आम, पहली व्यावसायिक खेप लंदन रवाना

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच लोकल से ग्लोबल बना झारखंड के सिमडेगा जिले के अम्रपाली आम का लगभग 1322 किलोग्राम की पहली व्यावसायिक खेप ब्रिटेन के लिए 5 जून को रवाना की गई। सिमडेगा को यह उपलब्धि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से हासिल हुई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि लोकल से ग्लोबल का सशक्त उदाहरण...झारखंड के सिमडेगा जिले की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। गोयल ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है। उच्च गुणवत्ता वाले आम को 42 रुपये प्रतिकिलो ग्राम की दर से स्थानीय किसानों से खरीदा गया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने कहा कि यह आम झारखंड के सिमडेगा जिले में महिला कृषक उत्पादक समूहों (एफपीओ) द्वारा 'बिरसा हरित ग्राम योजना' के तहत उगाए जाते हैं। इन उच्च गुणवत्ता वाले आमों को 42 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से स्थानीय किसानों से खरीदा गया है, जो स्थानीय बाजार भाव की तुलना में बेहतर मूल्य है। इस खेप में 1322 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले आम्रपाली आम शामिल हैं।

यह खेप कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से यूनाइटेड किंगडम भेजी गई। आम्रपाली अपने समृद्ध स्वाद, गहरे नारंगी गूदे और बेहतरीन मिठास के लिए दुनिया भर में एक लोकप्रिय संकर आम है।

उल्लेखनीय है कि इस ऐतिहासिक निर्यात पहल में जेएसएलपीएस के तत्वाधान में सिमडेगा जिले के सदर प्रखंड की महिला जागृति फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड तथा बानो प्रखंड की बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिटी यूनियन बैंक हर तीन शेयर पर देगा एक बोनस शेयर, 12 जून है रिकॉर्ड डेट

एजेंसी, नई दिल्ली

सिटी यूनियन बैंक ने अपने शेयर होल्डर्स को बोनस शेयर देने के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। बैंक के मौजूदा शेयर होल्डर्स को उनके पास मौजूद प्रत्येक तीन शेयर पर एक शेयर बोनस के रूप में दिया जाएगा। इसके लिए बैंक ने 12 जून की तारीख रिकॉर्ड डेट के तौर पर तय की है। रिकॉर्ड डेट का मतलब वो तारीख है, जिस तारीख को आधार मान कर बोनस शेयर जारी किया जाएगा। उस तारीख तक जिन लोगों के नाम शेयरों के लाभार्थी मालिक के रूप में रजिस्टर आफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी के पास या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड में होंगे, उन्हें ही बोनस शेयर का लाभ मिल सकेगा। सिटी यूनियन बैंक ने अप्रैल में जनवरी से मार्च 2026 तक के तिमाही नतीजों का ऐलान करने के साथ ही बोनस इश्यू जारी करने का भी ऐलान किया था। बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एनुअल जनरल मीटिंग में शेयर होल्डर्स की मंजूरी के बाद बोनस शेयर जारी किए जाएंगे। सिटी यूनियन बैंक आठ साल के अंतराल के बाद बोनस इश्यू जारी कर रहा है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। चेन्नई को छोड़कर देश के अधिकांश प्रमुख शहरों में सोने के भाव 350 से 380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक कम हुए हैं, जबकि चेन्नई में सोने की कीमत में 300 से 310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी दर्ज की गई। हालांकि गिरावट के बावजूद चेन्नई देश का सबसे महंगा सोना बाजार बना हुआ है। वहीं चांदी की कीमत में भी बड़ी नरमी देखने को मिली और इसका भाव 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक घट गया। कीमतों में आई इस कमी के बाद देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,55,720 रुपये से 1,57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी प्रकार 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,740 रुपये से 1,44,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बनी हुई है। चांदी की बात करें तो दिल्ली सर्राफा बाजार में इसका भाव घटकर 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने

की कीमत 1,55,870 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,740 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने का भाव 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। दक्षिण भारत के प्रमुख बाजार चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,57,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है, जो देश में सबसे अधिक कीमत है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा 22 कैरेट सोना 1,42,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर उपलब्ध है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 24 कैरेट सोने का भाव 1,55,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने का भाव 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। इसी प्रकार बिहार की राजधानी पटना में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। अन्य प्रमुख बाजारों में भी सोने की कीमतों में नरमी का रुख देखने को मिला। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण मध्य जुलाई तक संभवः पीयूष गोयल

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़ी सभी अधूरी बातों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले महीने के मध्य तक इस समझौते का पहला चरण लागू हो जाने की संभावना है। पीयूष गोयल ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को सबोधित करते हुए यह बात कही।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने बताया कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी दल दो से 4 जून तक नई दिल्ली में था। उन्होंने भारतीय दल के साथ संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''मेरी भी उनसे मुलाकात हुई थी और हम सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि अगले महीने के मध्य तक हम समझौते के पहले चरण को बहुत अच्छे तरीके से लागू करने की स्थिति में होंगे।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते का सिर्फ पहला चरण है, जिससे हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को तरजीही पहुंच मिलेगी।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस महीने के आखिर में एक उच्च-स्तरीय दल के भारत आने की उम्मीद है। वहीं, जीडीपी के जारी आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की विकास की गति मज़बूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 फीसदी की शानदार वास्तविक जीडीपी और 7.9 फीसदी जीवीए ग्रोथ के साथ हमारी अर्थव्यवस्था देशभर में नए अवसर पैदा कर रही है, इनोवेशन को बढ़ावा दे रही है और लोगों की आजीविका को मज़बूत कर रही है।

केंद्र ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन का कार्यकाल दो वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। स्वामीनाथन का सेवा विस्तार 26 जून, 2026 से प्रभावी होगा। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने स्वामीनाथन जानकीरमन को 26 जून, 2026 से प्रभावी रूप से 2 साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, फिर से डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। स्वामीनाथन जानकीरमन को जून

2023 में तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए आरबीआई का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था।

हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में भारत का पहला ई85 फ्यूल किया लॉन्च

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बढ़ती पेट्रोल की कीमतों से चिंतित नई दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए राहत देने वाली खबर है। उन्हें अब सीएनजी से सस्ता पेट्रोल मिलेगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को एक विशेष पेट्रोल ई-85 फ्यूल को लॉन्च किया। हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ, हरित एवं ऊर्जा सुरक्षित भारत की विजन से प्रेरणा लेकर आज दिल्ली में फ्लैक्स फ्यूल पर

चलने वाले वाहनों के लिए दिल्ली के इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर ई85 ईंधन का ऐतिहासिक उद्घाटन किया। उन्होंने आगे कहा कि ये ना केवल भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि किसानों की अतिरिक्त आय का साधन भी है। इस पहल से हमारे ऊर्जादाताओं के जीवन में खुशहाली और उन्नति बनी रहेगी। पुरी ने आगे कहा, "ई-85 फ्यूल को लॉन्च किया गया है...ई-85 फ्यूल एक क्रांतिकारी कदम है। इसकी शुरूआत के लिए 50-100 डिस्पेंसिंग स्टेशन होंगे... दिसंबर 2026 तक इनकी संख्या में 500 तक बढ़ोतरी होगी।

फिल्म

अभिनेता कुणाल खेमू निर्देशित फिल्म 'वाइब का पोस्टर रिलीज, प्रीति जिंटा की मिली झलक

अ अभिनेता कुणााल खेमू ने इंस्टाग्राम पेज पर अपनी आने वाली फिल्म 'वाइब का पोस्टर शेयर किया है। इस फिल्म का नाम 'वाइब है। फिल्म का पोस्टर भी काफी हटकर है। इसमें स्टार कास्ट और रिलीज डेट का भी जिक्र है। कुणाल खेमू ने फिल्म का जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें उनके अलावा वंशिका धीर, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव जैसे एक्टर्स के नाम नजर आ रहे हैं। पीछे पोस्टर पर फिल्म का नाम 'वाइब लिखा है। सभी एक्टर्स के चेहरे अंधेरे में छिपे हैं। कुणाल खेमू ने फिल्म का पोस्टर रिलीज करने के साथ एक कैप्शन भी लिखा है। वह लिखते हैं, 'पंच और पंचलाइन दोनों की गारंटी 'वाइब के साथ मिलेगी। आगे फिल्म की रिलीज डेट शेयर की गई है। फिल्म 'वाइब 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पंकज त्रिपाठी ने बुजुर्गों से सीखी है कहानी कहने की कला

अ अपने सहज अभिनय और किरदारों में जान डाल देने की क्षमता के कारण बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। बॉलीवुड फिल्म 'मिर्जापुर' का कालीन भैया हो, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का किरदार, 'स्त्री' हो या 'कागज', पंकज त्रिपाठी ने हर भूमिका को अपने अनोखे अंदाज से यादगार बना दिया है। अभिनय और कहानी कहने की प्रेरणा उन्हें किसी अभिनय संस्थान से नहीं, बल्कि अपने गांव के बुजुर्गों से मिली थी। एक पुराने इंटरव्यू में पंकज त्रिपाठी ने बताया था कि वह अपने अभिनय की प्रेरणा वास्तविक जीवन के लोगों और घटनाओं से लेते हैं। उन्होंने कहा कि बचपन में गांव के बुजुर्गों से किस्से और कहानियां सुनना उन्हें बेहद पसंद था। इन्हीं कहानियों ने उनके भीतर अभिनय और कहानी कहने की कला के प्रति रुचि पैदा की। उनके अनुसार, यह केवल कहानी सुनाना नहीं था, बल्कि एक जीवंत मौखिक परंपरा थी, जिसमें बोलने का अंदाज, भावनाएं और प्रस्तुति सबसे महत्वपूर्ण होती थी। पंकज त्रिपाठी ने अपने गांव के एक बुजुर्ग रघुनाथ बाबा का जिक्र करते हुए बताया कि उनसे उन्होंने कहानी को विस्तार से प्रस्तुत करने की कला सीखी।

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी

बंटवारे के दर्द में तड़पता दिखा वेदांग-शरवरी का प्यार

मैं मैं वापस आऊंगा मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है. फिल्ममेकर इम्तियाज़ अली एक बार फिर प्यार, इमोशन, पुराना रोमांस और तड़प की दुनिया में उतर गए हैं. दिल को छू लेने वाले रोमांटिक ड्रामा बनाने के लिए मशहूर इम्तियाज अली इस फिल्म के साथ अपनी खास कहानी कहने की शैली को वापस ले आए हैं. इम्तियाज अली पार्टीशन एरा की एक इमोशनल लव स्टोरी के साथ वापस आए हैं. इस फिल्म में पुराने जमाने का रोमांस दिखाया है, जो इंडिया-पाकिस्तान के बंटावारे के कारण बिछड़ जाते हैं. वेदांग रैना और शरवरी ने इंस्टाग्राम पर मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर अपलोड किया है. इस रोमांटिक ट्रेलर को उन्होंने एक रोमांटिक कैप्शन में दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, क्या प्यार सच में खत्म सकता है? क्या किसी के दिल से उसका घर छीना जा सकता है? ट्रेलर अब रिलीज हो गया है. मैं वापस आऊंगा, 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. ट्रेलर की शुरुआत पार्टीशन के दौर की यादों के बैकग्राउंड में दिखाए गए. नसीरुद्दीन शाह का किरदार एक अधूरी प्रेम कहानी के दर्द को अपने साथ लिए हुए नजर आता है, जो दशकों से उनके साथ रहा है. ट्रेलर से पता चलता है कि दिलजीत दोसांझ एक मशहूर यूट्यूबर गुरवीर का किरदार निभा रहे हैं. वह अपने दादाजी (जिनका किरदार नसीरुद्दीन शाह ने निभाया है) को उनकी अंतिम सांसें लेते हुए देखते हैं, जो अपनी बिछड़ी हुई प्रेमिका से मिलने के लिए तरस रहे हैं. वेदांग रैना और शरवरी कहानी में एक यंग कपल का किरदार निभाया है जो एक दिल छू लेने वाली लव स्टोरी लेकर आए हैं. ट्रेलर में आगे ऐसा लगता है कि दादीजी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए दिलजीत उस लड़की का पता लगाने पाकिस्तान जाते हैं, जिससे उनके दादाजी पार्टीशन के कारण 78 सालों से नहीं मिल पाए हैं, लेकिन फिर भी उनसे वह आखिरी सांस तक प्यार करते हैं. यह फिल्म दर्शकों को प्यार, दिल टूटने, पुरानी यादों और जुदाई से भरी एक भावुक लव स्टोरी की झलक दिखाती है. क्या गुरवीर अपने दादी के प्यार को फिर से मिला पाएगा? क्या उसकी दादाजी की प्रेमिका अभी भी जिंदा है? और अगर हां, तो क्या उसे इस अमर प्रेम कहानी के बारे में पता चल पाएगा? खैर, यह जानने के लिए हमें 12 जून तक इंतजार करना होगा. यह फिल्म मशहूर तिकड़ी ए.आर. रहमान, इरशाद कामिल और इम्तियाज अली के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिनके सहयोग से पिछले कुछ सालों में कई यादगार गानों ने लोगों के दिलों को छूआ है. इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी की मुख्य भूमिका में हैं. बिरला स्टूडियोज, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

गर्वनर का ट्रेलर जारी, देश का सबसे बड़ा आर्थिक संकट दिखाने आए मनोज बाजपेयी

द द केरल स्टोरी फ्रैंचाइजी के बाद, निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने अपनी नई फिल्म गर्वनरः द साइलेंट सेवियर का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें मनोज बाजपेयी और अदा शर्मा मुख्य किरदार में शामिल हैं। सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म इतिहास के उन किस्सों को जनता के सामने खोलने आ रही है, जिनसे लोग आज भी अनजान है। 1990 के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर बनी इस फिल्म का ट्रेलर रोंगटे खड़े करता है। गर्वनर सीधे उस दौर में ले जाती है, जब भारत देश कंगाली और दिवालिया होने की कगार पर खड़ा था। गिरती अर्थव्यवस्था के कारण लोग सड़कों पर उतर आए थे, खुदकुशी करने पर मजबूर थे। ऐसे ही काले पन्नों को ट्रेलर में बखूबी दिखाया गया है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है और देश के पूर्व गवर्नर एस वेंकिटरमणन से प्रेरित बताई जा रही है। मनोज ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर का शांत और दमदार किरदार निभाया है। गर्वनर की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य और विपुल शाह ने मिलकर लिखी है। निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। जावेद अख्तर ने गीत लिखे हैं, जबकि अमित त्रिवेदी का संगीत है। फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा और कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता से होगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों का रुख करेंगी।

फिल्म हॉन्टेड 3डी से जारी हुआ दूसरा गाना

दर्द में डूबे दिखे मिमोह चक्रवर्ती

हॉ हॉरर फिल्मों के लिए मशहूर निर्देशक विक्रम भट्ट हॉन्टेड 3डीः घोस्ट ऑफ द पास्ट के साथ लौट रहे हैं। उनकी यह फिल्म 2011 में आई हॉन्टेड 3डी की दूसरी कड़ी है, जिसमें एक बार फिर मिमोह चक्रवर्ती मुख्य किरदार में नजर आए हैं। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है और मोहित चौहान की आवाज में पहला गाना जन्मों जनम भी आ चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा गाना जारी किया है, जिसका शीर्षक दर्द है।सारेगामा के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ यह गाना बेहद दर्द और भावनात्मक पलों से भरा हुआ है। जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज देकर गाने में चार चांद लगा दिए हैं। बोल शकील आज़मी ने लिखे हैं और संगीत नईम-शबीर ने मिलकर दिया है। गाने के दृश्य मिमोह और अभिनेत्री

चेतना पांडे के ऊपर फिल्माए गए हैं, जो एक भूतिया हवेली में फंसे हुए हैं। आनंद पंडित और राकेश जुनेजा द्वारा निर्मित हॉन्टेड 3डी 12 जून को रिलीज होगी।

पोषण की कमी के संकेत देते हैं ये 5 लक्षण

पो पोषण की कमी शरीर की स्थिति है, जो तब होती है जब शरीर को अपने रोजाना के कामों के लिए जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। पोषण की कमी एक गंभीर समस्या है और इससे शरीर के कई हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। आइए आज हम आपको पोषण की कमी के कुछ लक्षण बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इन लक्षणों के आधार पर आप समय पर उपचार कर सकते हैं।

वजन का कम होनाः अगर आपका वजन बिना किसी खास कारण के लगातार कम हो रहा है तो यह पोषण की कमी का एक प्रमुख संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह संकेत उन लोगों में अधिक देखने को मिलता है, जो पर्याप्त पोषक तत्व नहीं ले रहे हैं या जिनके खाने में जरूरी विटामिन और खनिज की कमी होती है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है ताकि सही इलाज मिल सके।

थकान और कमजोरी महसूस होनाःअगर आपको अक्सर थकान और कमजोरी महसूस होती है तो यह भी पोषण की कमी का एक लक्षण हो सकता है, खासतौर से अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है और आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को प्रभावित कर रही हो तो इसे नजरअंदाज न करें। इसके लिए अपनी खाने में अधिक मात्रा में फल, सब्जियां और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम भी जरूरी है।

त्वचा का रंग पीला पड़नाः अगर आपकी त्वचा का रंग पीला पड़ रहा है और आपको त्वचा पर सूखापन या छिलके पड़ रहे हैं तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन बी12 की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बालों का झड़नाः अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं या उनकी बढ़त रुक गई है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन-डी और आयरन की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बार-बार बीमार पड़नाः अगर आप बार-बार बीमार पड़ रहे हैं या आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन-सी और जिंक की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में संतरा, नींबू, पपीता आदि फल शामिल करने चाहिए। इसके अलावा अखरोट, बादाम, काजू आदि सूखे मेवे भी फायदेमंद हो सकते हैं। साथ ही दही, पनीर और सोया उत्पादों का सेवन भी जरूरी है।

छोटे दुकानदारों के साथ अनावश्यक मोलभाव करने से बचेः सोनू सूद

स समाज सेवा के लिए हरदम तैयार रहने वाले अभिनेता सोनू सूद महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित प्रसिद्ध सिद्धेश्वर मंदिर के बाहर छोटे व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों का समर्थन करते हुए लोगों से उनसे खरीदारी करने की अपील की है। अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर अपने सामाजिक सरोकारों को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। सोनू सूद ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सिद्धेश्वर मंदिर के बाहर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता श्रद्धालुओं और पर्यटकों से आग्रह करते दिखाई देते हैं कि जब भी वे मंदिर दर्शन के लिए आएं, तो यहां दुकान लगाने वाले छोटे व्यापारियों से सामान अवश्य खरीदें। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे दुकानदारों के साथ अनावश्यक मोलभाव करने से बचना चाहिए, क्योंकि उनकी आजीविका इन्हीं छोटी-छोटी बिक्री

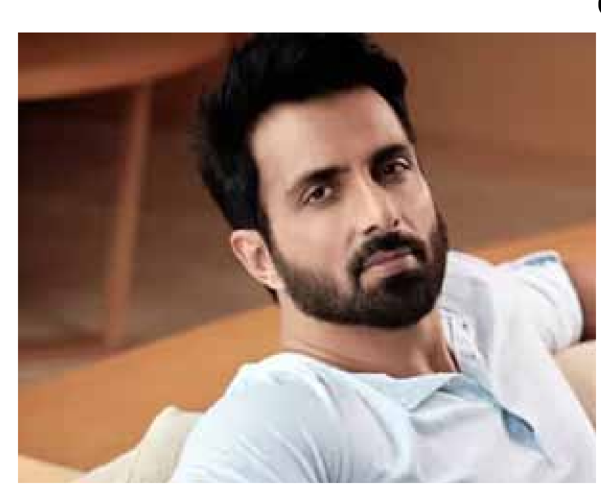

पर निर्भर करती है।

वीडियो साझा करते हुए सोनू सूद ने "हर-हर महादेव" लिखकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अभिनेता की इस पहल को सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बड़ी संख्या में यूजर्स उनके वीडियो पर टिप्पणी कर रहे हैं और उनके प्रयास की सराहना कर रहे हैं। कई लोगों ने इमोजी और संदेशों के माध्यम से सोनू सूद के इस कदम को प्रेरणादायक बताया है। लोगों का कहना है कि छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह की अपील समाज में सकारात्मक संदेश देती है। सोलापुर का सिद्धेश्वर मंदिर महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यह मंदिर 12वीं शताब्दी के संत और समाज सुधारक श्री सिद्धारामेश्वर, जिन्हें सिद्धेश्वर के नाम से भी जाना जाता है, से जुड़ा हुआ है।

मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका परिसर सिद्धेश्वर झील के बीच स्थित है, जो इसे एक अलग पहचान प्रदान करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंदिर परिसर में 68 शिवलिंग स्थापित हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र हैं। हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर यहां प्रसिद्ध 'गद्दा यात्रा' का आयोजन किया जाता है। लगभग 15 दिनों तक चलने वाला यह धार्मिक उत्सव बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहता है। गौरतलब है कि सोनू सूद लंबे समय से सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रवासी श्रमिकों सहित हजारों जरूरतमंद लोगों की सहायता कर देशभर में विशेष पहचान बनाई थी।

Central Bank Disburses Rs51 Crore at Mega Agricultural Credit Camp

Sagar Suraj

- Central Bank of India Distributes ₹51 Crore in Loans to 2,026 JEEViKA Group Members at Mega Agricultural Credit Outreach Camp in Motihari

Motihari: In a major push towards rural credit expansion and women's economic empowerment, Central Bank of India on Saturday distributed loans worth 51 crore among 2,026 members of JEEViKA self-help groups during a Mega Agricultural Credit Outreach Camp held at Dr Rajendra Prasad Auditorium in the district collectorate campus.

The event, attended by farmers, JEEViKA members and banking officials from across East Champaran, was inaugurated by East Champaran District Magistrate Saurabh Jorwal and Deputy Development Commissioner Dr Pradeep Kumar.

Regional Head Vivek Kumar Pandey said the camp was part of a nationwide initiative launched by the bank to enhance agricultural lending and strengthen financial inclusion in rural areas. He said the bank remained committed to supporting agriculture and allied sectors while enabling women and rural households to achieve economic self-reliance through access to institutional credit.

"The holistic development of villages is the foundation of national progress, and the bank is continuously working towards this goal through accessible financial services," Pandey said.

Praising the initiative, District Magistrate Saurabh Jorwal said Central Bank of India had been playing a key role in implementing development-oriented schemes in the district. He urged women beneficiaries to utilise the loans for self-employment and entrepreneurial activities, adding that women's financial empowerment was essential for sustainable social and economic development.

The highlight of the programme was the distribution of loan sanction letters worth 51 crore to 2,026 JEEViKA group members. The District Magistrate handed over sanction letters to selected beneficiaries.

Chief Manager Satyendra Kumar Pandey briefed participants on various agricultural credit schemes, financial products and government-backed lending programmes available through the bank.

Among those present were Chief Manager Abhinav Anand, officials of the JEEViKA programme and senior banking professionals. The programme concluded with a vote of thanks by Lead District Manager Rajendra Kumar Pandey.

The camp reflected the bank's continued focus on rural development, financial inclusion and livelihood generation through expanded access to formal credit.

AI reshaping exercise of judicial and sovereign powers: CJI

New Delhi, Agency: CJI Surya Kant on Friday said though Artificial Intelligence tools are reshaping exercise of sovereign and judicial powers, the international community must quickly devise a legal framework to deal with a concerning flipside of AI-driven activities, which when carried out in one country, can cause significant territorial consequences for another. Delivering a public lecture at University of London, CJI Kant said AI is an operational reality that is reshaping governance, commerce, warfare, communication, public administration, and increasingly, the exercise of judicial and sovereign power itself. Flagging the jurisdictional limitations to regulate AI driven activities, the CJI said International Law must increasingly attempt to confront such forms of AI-moulded powers "that are no longer neatly contained within geography yet continue to produce deeply territorial consequences for individuals and societies". He said, "If jurisdiction determines where power operates, liability determines who must answer for its consequences. Artificial Intelligence destabilises both simultaneously." AI systems, however, frequently operate through distributed chains involving developers, data suppliers, deployers, cloud infrastructure providers, private corporations, and sovereign actors spread across multiple jurisdictions, thus creating an accountability vacuum, he said. The CJI asked - "When an autonomous system causes harm, who bears responsibility? Is liability attributable to the developer who designed the architecture? The entity that deployed the system? The sovereign government that authorised its use? Or the institution that supplied the underlying data upon which the algorithm was trained?"

He said the significance of the issue heightens in the context of autonomous weapon systems and military application of AI, which complicate the attribution of intent and decision-making as the present legal system is on fastening it on the persons who implemented and those who took the decision.

No mass data leak: JEE (Advanced) authorities

New Delhi, Agency: JEE (Advanced) authorities on Friday said a cloud storage misconfiguration identified by an ethical hacker earlier this week did not result in any mass extraction of candidate data and had no impact on examination records, results or rankings. The clarification came after social media claims that candidate records and admit card documents linked to JEE (Advanced) 2026 had been exposed through a cloud storage vulnerability. In a statement, IIT-Roorkee, which is conducting JEE (Advanced) 2026, said the issue arose during technical interventions undertaken on June 2 to assist candidates facing difficulties in accessing admit cards and to ensure smooth functioning of the registration process.

"An ethical hacker, Rylen Anil, identified this misconfiguration and reported that he could access the database. The issue was immediately rectified and access to the data was restricted," it said.

According to IIT Roorkee, the affected storage was read-only, making it impossible for data to be altered or deleted. It said cloud access logs showed no evidence of bulk downloads and that access was limited to "less than 0.05% of the data".Education ministry also rejected reports suggesting a large-scale breach. "As per the clarification issued by IIT Roorkee, the ministry reiterates that no sensitive information was compromised, and the exam outcomes, marks, and candidate information remain completely secure, intact, and safe," it said.

The controversy began after Dubai-based cybersecurity researcher Rylen Anil, 16, posted on X that a cloud storage misconfiguration had allegedly exposed candidate records and admit-card PDFs. IIT Roorkee publicly acknowledged the report and thanked him for responsibly disclosing the issue.

Anil cautioned against exaggerated claims. "While there was a vulnerability, I have not seen evidence supporting claims of a large-scale leak. The issue was promptly reported and swiftly fixed by IIT officials."

TMC huddle at Mamata Banerjee's residence

8 of 80 MLAs turn up amid party split concerns

New Delhi, Agency: Amid concerns of internal rift in the Trinamool Congress (TMC), only 8 of 80 MLAs and 6 MPs attended the meeting at Mamata Banerjee's residence on Friday, ANI reported.Among those present at the residence were MLAs Bina Mondal, Ashima Patra, Madan Mitra, Kunal Ghosh, Firhad Hakim, Sobhandeb Chattopadhyay, Biman Banerjee and Ashok Kumar Deb. The MPs who attended included Dola Sen, Mala Roy, Kalyan Banerjee, Abhishek Banerjee, Derek O'Brien and Sudip Bandyopadhyay.

"We have decided that the LoP appointed by the Speaker is illegal. We are approaching the Court against this on Monday. We will file a petition before the High Court," ANi quoted Kalyan Banerjee saying after the meet.

"We will fight against the manner in which the BJP is killing TMC workers and lodging false cases against them. We will fight on the streets, we will fight in Court," Banerjee added. Moreover, Mamata announced a major organisational reshuffle in the TMC as the party faces internal rebellion. The new leadership team features several veteran leaders and loyalists.

Abhishek Banerjee retained his position as national general secretary, while Derek O'Brien and Dola Sen were appointed national joint secretaries. Senior minister Chandrima Bhattacharya replaced Subrata Bakshi as the party's state president. The shake-up comes days after the TMC dissolved all its committees and frontal organisations across West Bengal. The TMC meeting took place against a backdrop of growing political unrest within the party, triggered by claims from a group of rebel MLAs, including expelled leaders Ritabrata Banerjee and Sandipan Saha. The dissidents have asserted that they enjoy the support of 58 legislators in the West Bengal assembly and have opposed the party leadership's decision to appoint Sobhandeb Chattopadhyay as the Leader of Opposition (LoP).

CBSE extends post-result application deadline after students flag portal issues

New Delhi, Agency: CBSE on Friday extended the last date for submission of applications for verification and re-evaluation of Class 12 answer sheets after several students flagged issues in accessing the board's post-result services portal.

According to the board, students can now submit their applications till June 7.

"In the interest of students, the CBSE has decided to extend the last date for submission of applications for verification and re-evaluation for the Class 12 board examinations, thereby providing students additional time and support to complete the process," the board said in a post on X.

"The previous deadline of June 6 (midnight) has now been extended to June 7 (midnight). Students are requested to take note of the revised schedule and submit their applications accordingly," it added.

On Tuesday, CBSE opened its online portal for verification of issues observed in scanned copies of answer books and re-evaluation of answers for students dissatisfied with their board exam evaluation.

The board had said that for verification of issues in scanned copies of answer books, students can report concerns such as missing pages, missing supplementary sheets, missing maps or graphs, blurred pages, incorrect answer books, or evaluation against a different question paper set.

CBSE has been embroiled in controversy after some Class 12 students claimed that the scanned copies of their answer sheets uploaded by the board did not match their handwriting, raising concerns about potential mismatches in the on-screen marking (OSM) system.

The cabinet secretariat has announced the formation of a one-member committee to investigate the procurement of services for the OSM system by CBSE.

Oil India strikes natural gas in third Andaman offshore well

New Delhi, Agency: State-run Oil India Limited (OIL) Friday said it has reported the presence of natural gas in its third exploratory well in the Andaman shallow offshore block, further indicating hydrocarbon potential in the region. In a regulatory filing to stock exchanges, the company said natural gas was encountered in the exploratory well Vijayapuram-3, drilled 15 km off the east coast of the Andaman Islands at a water depth of 355 metres in an offshore block under the Open Acreage Licensing Policy (OALP).

"Initial production testing of the well at the depth of 1900 plus metres in the Eocene formation has established the presence of natural gas through continuous flaring. Post perforation, immediate pressure build up was observed and well started to produce," it said. It added that gas sampling is being undertaken to assess its composition and calorific value and to carry out isotope studies to understand its genesis.

Cloudburst, flashfloods damaged houses in J&K's Reasi

Jammu, Agency: A cloudburst triggered flashfloods in J&K's Reasi district that damaged at least half a dozen houses and blocked roads due to mudslides on Thursday. No injury or casualty was reported in the incident that occurred in Gulabgarh's Bathoi village. This is the fifth cloudburst in Jammu region in the past three days.

Lt Governor Manoj Sinha posted on X, "Spoke with the DC Reasi to assess the situation, following an incident of cloudburst at village Bathoi. While several houses suffered damage, fortunately, no casualties have been reported. I have directed the DC to immediately provide assistance and relief to the affected families."

On Friday, adverse weather conditions in Kishtwar district forced the administration to suspend pilgrimages to Shri Machail Mata and Shri Mindhal Mata.

Banned antibiotics behind 43% of shrimp export rejections; CDSCO seeks stricter enforcement

New Delhi, Agency: Nearly 43% of cases in which Indian shrimp exports were rejected by the US, European Union and Japan this year were linked to residues of banned antibiotics, prompting India's drug regulator to seek stricter enforcement of existing restrictions.

The Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) has directed all states and Union Territories to strengthen inspections and monitoring of the use of Chloramphenicol and Nitrofurans, antibiotics banned in food-producing animals because their residues can violate international food safety standards. According to the regulator, the violations were traced to more than 40 farms, with Andhra Pradesh accounting for 46% of the cases, followed by Odisha (24%), West Bengal (19%) and Gujarat (11%). The issue was flagged by the Marine Products Export Development Authority (MPEDA), which reported continued detection of the banned drugs in export shipments and called for stronger oversight of veterinary medicine outlets.

CDSCO has asked states to furnish details on how the ban is being implemented, the number of inspections carried out at veterinary drug shops and related establishments, and action taken against violators.

The regulator has also directed states to ensure that these drugs are sold only through licensed channels for permitted purposes and said violations should attract action under the Drugs and Cosmetics Act and Rules.

Hour after hotel tragedy in south Delhi's Malviya Nagar

owner Lovkesh Bajaj applied for licence renewal

NEW DELHI: About an hour after the fire tore through the Hauz Rani bed and breakfast on June 3, it's owner, Lovkesh Bajaj, applied for the renewal of the licence of a ground floor establishment.

The licence, according to MCD, had expired on March 31. MCD officials said on Friday that the licence had been rejected.

MCD has a category of instant licences that are given to tea and snacks establishments which have no seating. The ground floor of the Hauz Rani B&B, which used to run as a restaurant, had only this licence, MCD officials said on Friday. This expired on March 31.

Recently, MCD also deregulated the tea and snacks licence, saying that only FSSAI's nod would be needed in the form of a health trade licence to run such a business.

On Friday, when asked about the licence status of the Hauz Rani facility, an MCD official said: "While the tea and snacks licence was issued to a person identified as Lovkesh Bajaj, a separate licence for operating the B&B facility had been issued by another agency to Jai Mishra. Personal kitchen facilities were provided on each floor."

While agencies, including Delhi Police, are still probing the exact cause of the fire, the civic body claimed that Bajaj attempted to obtain a fresh health trade licence for the ground floor under the same 'tea and snacks stall' category on June 3 — the very day the building caught fire. The applicant submitted the application at 9.35 am on the morning of the incident and also deposited the fee. However, the application was rejected by our department."

The development has raised questions as the application and fee submission were processed despite MCD's announcement that the health trade licence for this category had been deregulated and the portal was being made inactive as part of the transition process.

Sources in MCD also said that the Hauz Rani B&B was surveyed by MCD officials about eight months ago and the team found that a full-scale restaurant was being run from the premises in violation of licence norms that allow no seating. Despite the findings, no action was taken.

Following the fire incident on Wednesday, MCD did a preliminary survey in the area and identified 12 hotels that allegedly violated health trade licence norms.

An official said that since these properties are in Lal Dora areas and were constructed 14–15 years ago, the civic body was treating these as protected under the Centre's Special Provisions Act, making action against the structures difficult.

However, an official in the building department pointed out that immunity under this provision applies only to residential structures. "In this case, the building was being used for commercial purposes. It exceeded the permissible height of 9 metres and was operating without a fire NOC.